khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

सोमवार – 25 सितम्बर 2023

वर्ष : 02 – अंक : 329

पृष्ठ–8 मूल्य – 1: 00 रूपये

आरएनआई :

UPHIN/2021/82210

हिन्दी दैनिक

खबर

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

दृष्टिकोण

2 अंसल के भूमाफियाओं द्वारों ग्राम समाज की जमीनों पर...

3 पड़ावमंडी,टीचर्स कॉलोनी के गणपति विसर्जन में गूंजी ...

5 गरीबों को छेड़ना नही माफियाओं को छोड़ना नहीं....

मन की बात में चंद्रयान और जी20 का जिक्र

पीएम बोले- भारत की साख बढ़ी; संस्कृत के श्लोक पढ़ती जर्मन युवती की भी चर्चा की

नई दिल्ली। मन की बात के 105वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 और जी20 समिट की सफलता पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे चंद्रयान की सफलता के लिए कई पत्र मिले। भारत ने इस समिट में अफ्रीका को फुल मेंबर बनवाकर अपना लोहा मनवाया है। प्रधानमंत्री ने आज के कार्यक्रम में जर्मनी की एक युवती की भी चर्चा की। वो आंख से देख नहीं पाती, लेकिन संस्कृत के श्लोक इतने आसानी से गाती हैं जिसे सुनकर हर कोई आश्चर्य चकित रह जाए। पीएम ने कार्यक्रम में 27 सितंबर को होने वाले विश्व पर्यटन दिवस और शांति निकेतन की भी चर्चा की।

चंद्रयान लॉन्चिंग के दिन ISRO ने रिकॉर्ड बनाया पीएम ने कहा- मुझे कई पत्र मिले, जब चंद्रयान का लैंडर उतरने वाला था। तब कई लोग इसके साक्षी बने। इसरो के यूट्यूब चैनल पर 80 लाख लोगों ने देखा। ये रिकॉर्ड है। इससे पता चलता है कि लोगों को कितना लगाव है। इस दौरान चंद्रयान पर एक क्विज चल रहा है। जिसमें 15 लाख से ज्यादा लोग हिस्सा ले रहे हैं। मैं आपसे भी कहूंगा कि आप भी इसमें हिस्सा लीजिए, 6 दिन और बाकी हैं।

चंद्रयान लॉन्चिंग के दिन ISRO ने रिकॉर्ड बनाया पीएम ने कहा- मुझे कई पत्र मिले, जब चंद्रयान का लैंडर उतरने वाला था। तब कई लोग इसके साक्षी बने। इसरो के यूट्यूब चैनल पर 80 लाख लोगों ने देखा। ये रिकॉर्ड है। इससे पता चलता है कि लोगों को कितना लगाव है।

जी20 में भारत ने अफ्रीका को मेंबर बनाकर अपना लोहा मनवाया पीएम ने कहा- चंद्रयान के बाद जी20 का आयोजन चर्चा में है। भारत ने इस समिट में अफ्रीका को फुल मेंबर बनवाकर अपना लोहा मनवाया है। जब भारत बहुत समृद्ध था, सिल्क रूट की चर्चा होती थी। अब एक और इकोनॉमिक कोरिडोर सुझाया है। ये कॉरिडोर आने वाले सैकड़ों साल तक विश्व व्यापार का आधार बनने वाला है। इतिहास याद रखेगा

26 सितंबर को जी20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट प्रोग्राम

पीएम ने कहा- जी 20 के दौरान युवा शक्ति की चर्चा जरूरी है। साल भर आयोजन हुए। इसी बीच दिल्ली में एक और आयोजन होगा। जी20 यूनिवर्सिटी कनेक्ट, जिसमें आईआईटी, मेडिकल कॉलेज, IIM के स्टूडेंट जुड़ेंगे। 26 सितंबर को इससे जुड़िए जरूर। इसमें मैं खुद शामिल होऊंगा।

जर्मनी की कैसमी के श्लोक सुनाए

पीएम ने कहा- एक छोटी बच्ची का गाया गीत आपको सुनाता हूं। इसे सुनकर आप हैरान हो गए। हर शब्द में जो भाव झलकते हैं, उससे ईश्वर के प्रति लगाव समझ सकते हैं। ये जर्मनी की कैसमी है। इन दिनों इंस्टाग्राम पर छाई हुई हैं। कैसमी कभी भारत नहीं आई। लेकिन भारतीय संगीत की दीवानी है। जिसने भारत को कभी देखा नहीं उसकी संगीत में रुचि इंस्पायरिंग है।

वे जन्म से देख नहीं सकती है, लेकिन ये चुनौती उन्हें रोक नहीं पाई। संगीत के लिए उनका पैशन बचपन से ही रहा। 3 साल की उम्र से संगीत से जुड़ने वाली कैसमी ने तबला बजाना भी सीखा। कई भारतीय भाषाओं में महारत हासिल कर चुकी हैं। असमी बंगाली मराठी तमिल में सुर साधे हैं।

चांद की रात क्यों होती है खौफनाक, विक्रम और प्रज्ञान के जागने की उम्मीद कितनी?

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन लगातार प्रयास में है कि चंद्रयान के लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान एक बार फिर जाग जाएं। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने कहा कि चांद पर फिर से रात होने तक इन दोनों को जगाने का प्रयास होता रहेगा। हो सकता है कि कल ही दोनों जाग जाएं और ऐसा भी हो सकता है कि उन्हें जागने में 14 दिन लग जाएं। चांद पर 6 अक्टूबर को फिर से रात होने लगेगी। इसलिए 5 अक्टूबर तक कोशिश जारी रहेगी कि उधर से कोई सिग्नल मिले। अगर रोवर और लैंडर जागते हैं तो यह इसरो के लिए प्लस पॉइंट यानी बोनस की तरह होगा क्योंकि लैंडिंग के बाद ही रोवर और विक्रम ने अपना काम खत्म कर लिया था।

चांद के दक्षिणी ध्रुव पर खौफनाक होती है रात

पहली बार है जब कोई मिशन चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा है। दरअसल चांद का दक्षिणी ध्रुव ज्यादा ठंडा रहता है और यहां की रातें बेहद खौफनाक होती हैं। इंसान तो किसी हालत में यहां सर्वाइव ही नहीं कर सकता। इसीलिए अब तक के सारे मिशन उत्तरी ध्रुव पर ही गए हैं। इसरो को भी इस बात का अंदाजा था कि चांद की खौफनाक रात झेलने के बाद प्रज्ञान और विक्रम को जगाना इतना आसान नहीं होगा।

200 डिग्री के नीचे पहुंच जाता है तापमान

चंद्रमा के साउथ पोल पर रात के वक्त लगातार तापमान में गिरावट होती जाती है। यहां तापमान माइनस 250 डिग्री से भी नीचे चला जाता है। ऐसे में यहां किसी भी जीवित चीज का बचना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा चांद पर ठंडे अंधड़ भी चलते रहते हैं। भूकंप कभी भी आ सकता है। वायुमंडल ना होने की वजह से उल्कापिंड भी गिर सकते हैं। कह सकते हैं कि चांद पर हर पल चुनौतीभरा होता है। अब देखना है कि प्रज्ञान और रोवर में लगे पेलोड इस ठंड को बर्दाश्त कर पाए हैं या नहीं। अब तक जितने भी लोग चांद पर गए हैं वे ऐसे समय में पहुंचे हैं जब वहां दिन हो चुका था। ऐसे में किसी को भी चांद के इस तापमान को बर्दाश्त नहीं करना पड़ा। हालांकि चंद्रयान 3 ने पहले ही चुनौती स्वीकार की थी और दक्षिणी ध्रुव पर उतरा था। दरअसल इसी इलाके में पानी मिलने की संभावना ज्यादा है।

धनखड़ बाड़मेर जिले में चालीस एकड़ में बनने वाले बाजरा अनुसंधान संस्थान की 27 सितंबर को रखेंगे नींव

जयपुर 24 सितंबर (वार्ता) उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ राजस्थान में बाड़मेर जिले के गुड़ामालानी में चालीस एकड़ में बनने वाले आईसीएआर के राष्ट्रीय स्तर के बाजरा अनुसंधान संस्थान का 27 सितंबर को शिलान्यास करेंगे। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी के अनुसार उनके संसदीय क्षेत्र बाड़मेर के गुड़ामालानी में आईसीएआर के राष्ट्रीय स्तर के बाजरा अनुसंधान संस्थान खोलने की स्वीकृति सहित सारी प्रक्रिया पूरी हो गई है और 27 सितंबर को श्री धनखड़ इसका शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर श्री धनखड़, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भूमिपूजन करके इस संस्थान की नींव रखेंगे।

श्री चौधरी ने बताया कि केन्द्र सरकार वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेटस ईयर के रूप में मना रही है। इसके लिए भारतीय मिलेटस जिसे मोटा अनाज भी कहा जाता है। केंद्र सरकार ने इसे श्रीअन्न का भी नाम दिया है। श्रीअन्न में मुख्य रूप से बाजरा, ज्वार, रागी, कुटकी आदि शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भारत की पहल पर ही संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा मोटा अनाज को इंटरनेशनल मिलेटस ईयर के रूप में मनाने और इसे आमजन द्वारा अधिकाधिक अपने भोजन की थाली में शामिल करके बढ़ावा देने को लेकर सहमति बनी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में

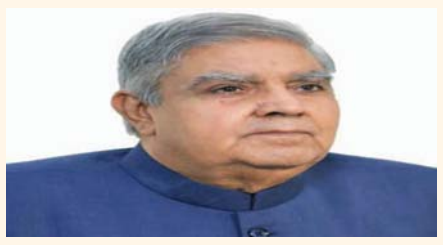

केंद्र सरकार की ओर से मोटा अनाज या श्रीअन्न को देश दुनिया में बढ़ावा देने के लिए बजट 2022-23 में विभिन्न सराहनीय कदम उठाये गए। बजट के दौरान आईसीएआर- आईआईएमआर, हैदराबाद को बाजरा के लिए वैश्विक केंद्र बनाने की घोषणा की गयी। मोटा अनाज या श्रीअन्न में भी बाजरा सबसे महत्वपूर्ण खाद्यान माना जाता है। इसे सर्वाधिक 4.1 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में उगाया जाता है। राजस्थान में देश का सर्वाधिक 57 प्रतिशत बाजरे की खेती होती है।

इंडिया गठबंधन के पीएम कैंडिडेट होंगे नीतीश कुमार; डिप्टी स्पीकर महेश्वर हजारी का बड़ा दावा

पटना। बिहार विधानसभा के डिप्टी स्पीकर और जदयू के वरिष्ठ नेता महेश्वर हजारी ने एक बार फिर अपने बयान से बिहार की सियासत का पारा चढ़ा दिया है। उन्होने कहा कि जब भी इंडिया गठबंधन में पीएम पद के लिए सहमति बनेगी तो नीतीश कुमार के नाम पर ही बनेगी। उनमें पीएम कैंडिडेट के सभी गुण नीतीश कुमार में हैं। उनसे योग्य कोई व्यक्ति भारत में नहीं है। इंडिया अलायंस जब भी प्रधानमंत्री पद की घोषणा करेगी तो वो नाम नीतीश कुमार का ही होगा। महेश्वर हजारी ने कहा कि नीतीश कुमार देश में सबसे बड़े समाजवादी नेता हैं। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कह चुके हैं, कि डॉक्टर राम मनोहर लोगहिया और जेपी के बाद अगर कोई सबसे बड़ा समाजवादी नेता है, तो वो नीतीश

कुमार हैं। 5 बार भारत सरकार में मंत्री रहे। 18 साल से बिहार में मुख्यमंत्री हैं। पीएम कैंडिडेट के लिए उनसे योग्य कोई व्यक्ति पूरे भारत में नहीं है। देश के समाजवादी विचारधारा वाले सभी लोगों की यही मंशा है कि नीतीश कुमार प्रधानमंत्री बनें। उन्होने कहा कि जैसे ईंट जोड़कर दीवार बनाई जाती है। वैसे ही नीतीश कुमार ने पूरे विपक्ष को एजुट करने का काम किया है। इसलिए आज नहीं तो कल पीएम उम्मदीवार के तौर पर नीतीश कुमार के नाम की ही घोषणा होगी। महेश्वर हजारी ने ये बयान उस वक्त दिया जब वो शनिवार को जब मुख्यमंत्री ने तमाम प्रकोष्ठ के अध्यक्षों और प्रवक्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक से बाहर निकले थे। नीतीश कुमार ने पार्टी प्रवक्ताओं को कई टिप्स दिए थे। हालांकि इससे पहले नीतीश कुमार साफ तौर से कह चुके हैं कि वो पीएम कैंडिडेट की रेस में नहीं हैं। उनका मकसद सिर्फ विपक्ष को एकजुट करना और बीजेपी सरकार को सत्ता से बेदखल करने का है। यही नहीं वो पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से भी ये अपील कर चुके हैं कि पीएम कैंडिडेट के तौर पर उनके नाम के नारे न लगाए जाए, नहीं बेवजह चर्चाओं को हवा मिलेगी। लेकिन उनकी ही पार्टी के वरिष्ठ नेता महेश्वर हजारी ने बयान देकर एक बार फिर चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी आज आएंगे भोपाल, कार्यकर्ता महाकुंभ को करेंगे संबोधित

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार, 25 सितंबर को भोपाल के प्रवास पर रहेंगे। वे यहां पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आयोजित भाजपा कार्यकर्ता महाकुंभ में शामिल होंगे और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। कार्यकर्ता महाकुंभ की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। राजधानी में होने वाले सबसे बड़े एकत्रीकरण को लेकर पार्टी कार्यकर्ता शहर के प्रमुख चौराहों को सजा रहे हैं। जगह-जगह पार्टी के ध्वज लगाकर प्रमुख मार्गों को सजाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता भी तैयारियों में जुटे हुए हैं। शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, नरेन्द्र सिंह तोमर, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री जीपीएस राठौर ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ रोशनपुरा चौराहा पर पार्टी के झंडे लगाकर चौराहे की सजावट की। साथ ही तैयारियों का निरीक्षण भी किया।

प्रधानमंत्री मोदी की भोपाल में गृह मंत्री डॉ. मिश्रा करेंगे अगवानी–प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 25 सितम्बर को भोपाल की प्रस्तावित यात्रा के लिए तीन कैबिनेट मंत्री मिनिस्टर इन वेटिंग नामित किये गये हैं। इस संबंध में शनिवार को आदेश जारी किए गए हैं। प्रदेश के गृह एवं जेल मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा भोपाल विमानतल पर प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी करेंगे। वहीं, भोपाल हैलीपेड पर प्रधानमंत्री के आगमन पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह स्वागत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के भोपाल में होने वाले मुख्य कार्यक्रम स्थल पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग अगवानी करेंगे।

पार्टी नेताओं ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण–25 सितंबर को भोपाल के जम्बूरी मैदान में कार्यकर्ता महाकुंभ होगा, जिसमें प्रदेश भर से 10 लाख कार्यकर्ता शामिल होंगे। जिन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संबोधित करेंगे। कार्यकर्ता महाकुंभ की तैयारियां अंतिम चरणों में है। शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, केन्द्रीय मंत्रीद्वय भूपेन्द्र यादव एवं नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद एवं उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री जीपीएस राठौर, प्रदेश शासन के मंत्री विश्वास सारंग, जिलाध्यक्ष सुमित पचौरी ने कार्यक्रम स्थल जंबूरी मैदान पहुंचकर महाकुंभ की चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया।

भाजपा से हाथ मिलाते ही कर्नाटक में लगा जेडीएस को झटका, उपाध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

बेंगलुरु। 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले जनता दल (सेक्युलर) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ हाथ मिलाने का फैसला किया है। इस ऐलान के कुछ दिनों के बाद जेडीएस के कर्नाटक के उपाध्यक्ष सैयद शफीउल्ला साहब ने पार्टी से अपना नाता तोड़ने का फैसला किया है। शफीउल्ला ने कर्नाटक अध्यक्ष को लिखे अपने इस्तीफे में कहा कि उन्होंने जेडीएस और भाजपा के साथ गठबंधन के कारण खुद को पार्टी से अलग कर लिया है।

उन्होंने कहा, मैं बताना चाहूंगा कि मैंने समाज और समुदाय की सेवा करने के लिए कड़ी मेहनत की है। पार्टी की सेवा की है, क्योंकि हमारी पार्टी धर्मनिरपेक्ष साख पर विश्वास करती है और उस पर कायम है। हमारे नेता कुमारस्वामी ने भाजपा से हाथ मिला

लिया है। इससे पहले भी जब भाजपा के साथ हमारी पार्टी गई थी तो मैंने उस अवधि के लिए पार्टी से बाहर रहने का विकल्प चुना था।

उन्होंने आगे लिखा, चूंकि पार्टी के वरिष्ठ नेता अब भाजपा के साथ हाथ मिलाने का फैसला कर रहे हैं, इसलिए मेरे पास पार्टी के उपाध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा देने और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

सूत्रों ने बताया कि उनके अलावा जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष (शिवमोग्गा) एम श्रीकांत और यूटी आयशा फरजाना समेत कई नेताओं ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की जनता दल (सेक्युलर) ने शुक्रवार को कर्नाटक में भाजपा के साथ गठबंधन की घोषणा की और 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले औपचारिक रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो गई। जेडीएस नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद यह घोषणा की। जेडीएस ने 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था, हालांकि उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा ने कर्नाटक की 28 में से 25 सीटें जीत लीं।

मोटो जीपी रेस देखने पहुंचे सीएम योगी, विजेता खिलाड़ियों को देंगे पुरस्कार

ग्रेटर नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज नोएडा के दौरे पर हैं। योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित हो रही मोटोजीपी रेस देखने पहुंचे हैं। योगी आदित्यनाथ ने यहां मोटोजीपी के सीईओ से मुलाकात की। मोटो जीपी रेस देखने को बाद सीएम योगी किसानों से वार्ता करेंगे। सीएम योगी बीआईसी पर तक निवेश को लेकर होने वाली करीब 300 कंपनियों के प्रतिनिधियों और मोटो जीपी के सीईओ समेत अन्य टीम के साथ बैठक करेंगे। साथ ही राइडर्स और ट्रॉफी के साथ फोटो सेशन होगा। मंत्रियों के साथ दोपहिया वाहन कंपनियों के मुख्य प्रतिनिधिमंडल से वार्ता करने के बाद गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय जाएंगे।

विजेता राइडर को पुरस्कार देंगे

मुख्यमंत्री 3:45 बजे तक जीबीयू में रहेंगे। जीबीयू में बौद्ध प्रदर्शनी का भी जायजा लेंगे। दोपहर 3रू45 बजे बजे सीएम हेलीकॉप्टर से बीआईसी के लिए उड़ान भरेंगे। बीआईसी पर वह मोटो जीपी की फाइनल रेस देखने के साथ ही विजेता राइडर को पुरस्कार देंगे। शाम पांच बजे सीएम गाजियाबाद हिंडन बेस के लिए रवाना होंगे।

आज फाइनल में पहली पंक्ति में रहेगी डुकाटी बाइक सवारों की तिकड़ी

मोटो जीपी रेस का फाइनल आज

होगा। मोटो जीपी फाइनल में डुकाटी बाइक सवारों की तिकड़ी पहली पंक्ति में रहेगी। रेस में अव्वल आने और पूर्व के नंबरों के आधार पर पोल पोजीशन पर रहने वाले मार्को बैसेकी पहली पंक्ति में होंगे। वहीं जॉर्ज मार्टिन और विश्व नंबर एक फ्रांचेस्को बन्याया भी पहली पंक्ति में रेस की शुरुआत करेंगे। दूसरी पंक्ति में डुकाटी के ही बाइक सवार लूका मारिनी और होंडा टीम के जॉन मीर पर सभी की निगाहें रहेंगी। बता दें कि मोटो जीपी के फाइनल रेस को सीएम योगी फ्लैग–ऑफ करेंगे। वहीं, मोटो–3 को भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन हरी झंडी दिखाएंगे और मोटो–2 रेस को बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम फ्लैग ऑफ करेंगे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है, उ0प्र0 राजधानी लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रिय हिंदी दैनिक समाचार पत्र खबर दृष्टिकोण ,वेब पोर्टल व चैनल को मंडल स्तर/जिला स्तर/तहसील स्तर व ब्लाक स्तर पर पार्टनर/क्षेत्रीय पार्टनर/ब्यूरो/सवांददाता की। पत्रकारिता जगत से जुड़ने के लिए इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करे ।

संपर्क नं.

8840277268 / 522–4073793

ई मेल-

khabardrishtikon@gmail.com

Website :

www.khabardrishtikon.com

Off Add- 6A/101,Sector&6 Vrindavan Yojana Rai Bareli Road Lucknow.

अंसल के भूमाफियाओं द्वारों ग्राम समाज की जमीनों पर अवैध कब्जा, ब्रह्मदेव मंदिर को ध्वस्त कर किया गया कब्जा

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मुजफ्फरनगर छोटी घुसवल गांव नियर मेदांता हॉस्पिटल के पीछे दो सौ साल पुराना ब्रह्मदेव का मंदिर स्थापित है जहाँ अंसल के भूमाफियाओं के द्वारा ब्रह्म देव मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि बीते बृहस्पतिवार को अंसल के लोगो द्वारा प्राचीन ब्रह्मदेव के मंदिर को ध्वस्त कर दिया वहीं पर पीपल के पेड़ को भी काट दिया गया जिससे ग्रामीण काफी आक्रोशित है। वही गांव की रहने वाली समाज सेविका ने बताया की खसरा संख्या 151–152 पर खलियान दर्ज व खेलकूद और मैदान की जमीन पर अंसल द्वारा अवैध कब्जा कर प्लाटिंग कर दिया गया। जहां एक तरफ पर उत्तर प्रदेश सरकार पेड़ पौधे लगवा रही है वहीं दूसरी तरफ अंसल के लोगो द्वारा पेड़ों पर आरा चलाया जा रहा है। अंसल ने एलडीए के उच्च अधिकारियों की मिली भगत से ग्राम समाज छोटी घुसवल के चारों तरफ अवैध रूप से बाउंड्री खड़ी कर दी मंदिर आने जाने का पूरी तरह से रास्ता बंद कर दिया गया एलडीए की मिली भगत से खलियान दर्ज ,तालाब, उसर ,खेलकूद का मैदान व शमशान पर अंसल अवैध कब्जा कर रहा है। ग्राम छोटी घुसवल के पूर्व प्रधान रामलाल ने बताया कि हमारे पास राजस्व के सारे लीगल कागज हैं जिसमें ब्रह्मदेव का स्थान खलियान दर्ज सुनिश्चित है सभी इस कार्य से नाराज होकर अब योगी सरकार के दरबार पर गुहार लगाएंगे। व ग्राम समाज का कहना है कि अगर हमारी सुनवाई नहीं होती है तो हम गांधी स्मारक में धरना प्रदर्शन भी करेंगे।

पुरानी पेंशन बहाली रथ यात्रा का वीरेन्द्र आजाद के नेतृत्व में हुआ भव्य स्वागत

लखनऊ खबर दृष्टिकोण संवाददाता गंगाचरण अखिल भा.प्रा. शिक्षक संघराष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय स्व0 श्री रामपाल सिंह जी के मार्गदर्शन एवं महासचिव माननीय कमलाकांत त्रिपाठी जीके नेतृत्व में पुरानी पेंशन बहाली के लिए दिनांक05 सितम्बर शिक्षक दिवसके अवसर पर पूरे देश में पुरानी पेंशन बहाली भारत यात्रा का चारो दिशाओं से आरम्भ हुआ है। जिसके क्रम में अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ पुरानी पेंशन बहाली भारत यात्रा रथ का आगमन एवं विश्राम दिनांक 23 सितंबर को रात्रि लखनऊ में हुआ।दिनांक 24 सितंबर दिन रविवार को प्रातःकाल 11बजेजिलाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू हुई।उत्तर प्रदेश में भारत यात्रा के नेतृत्वकर्ताराष्ट्रीय उपाध्यक्षप्रदेश अध्यक्ष श्री सुशील कुमार पाण्डेय जी ने उपस्थित समस्त पत्रकार बंधुओं का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व श्री रामपाल सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति की अपील की।राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश महासचिव श्री शिवबरन सिंह ने समस्त संगठनों के एक मंच पर आने,पुरानी पेंशन बहाली की आवश्यकता एवं महत्व पर अपने विचार रखे।अखिल भा.प्रा. शिक्षक के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा० राम चन्द्र देवास ने भारत यात्रा रथ के महत्व को बताते हुए एनपीएस एवं ओपीएस पर विस्तार से अपने विचार रखे।श्री देवास जी ने बताया की पुरानी पेंशन योजना से सामाजिक,आर्थिक, परिवारिक,स्वास्थ्य, इज्जत आदि की सुरक्षा होती है,जबकि नवीन पेंशन योजना में एक भी सुरक्षा प्राप्त नही है।जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि शिक्षक और कर्मचारियों ने नई पेंशन स्कीम को सिरे से नकार दिया है।नई पेंशन ।

कार की मांग पूरी न होने पर पति समेत ससुरालीजनों ने नवविवाहिता की हत्या

पिता की शिकायत पर पति सास जेठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज।

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले दहेज लोभियो ने कार की मांग पूरी न होने पर विवाहिता की हत्या कर डाला। घटना की जानकारी विवाहिता के मायके वालो को भी नहीं दी। ससुराल पहुंचे पिता ने पुत्री को गंभीर हालत देख ट्रामा सेंटर ले गए जहाँ डॉक्टरों ने विवाहिता को मृत घोषित कर दिया। वहीं पिता की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज पिता की शिकायत पर पति सास एवं जेठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मूलरूप से जनपद उन्नाव ग्राम सुल्तानपुर थाना हसनगंज निवासी मृतका के पिता शिवप्रकाश के मुताबिक उन्होंने अपनी पुत्री दीपिका द्विवेदी (32) का विवाह जून 2022 में अजयजीत शुक्ला उर्फ संजू शुक्ला पुत्र राम औतार निवासी 445 ६ 541 न्यू विश्वासनगर मल्लाही टोला थाना ठाकुरगंज लखनऊ के साथ हिन्दू रीति रिवाज से किया था। विवाह के कुछ दिन बाद से ही उनकी पुत्री को ससुरालीजनों द्वारा दहेज में चार पहिया वाहन के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। जिसकी शिकायत उनकी पुत्री ने अपने माता– पिता से कई बार की थी। लेकिन माता पिता कुछ दिनों में सब ठीक हो जाने की बात कह पुत्री को समझा बुझा अपनी गृहस्थी सँभालने की नसीहत देते थे। पिता का आरोप है कि दो दिन पूर्व उन्होंने अपने दामाद को फोन किया और बेटी से बात करने की इच्छा प्रकट की लेकिन उनके दामाद ने बेटी से बात नहीं करवाया जिसपर शक होने पर मृतका के पिता अपनी पुत्री से मिलने उसके घर पहुंचे तो देखा की उसकी पुत्री को ससुरालीजनों ने मार दिया था आनन फानन में ट्रामा सेंटर अस्पताल ले गए जहाँ डॉक्टरों ने विवाहिता को मृत घोषित कर दिया। पिता की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया पिता की शिकायत पर पति समेत सास सरला एवं जेठ राजू शुक्ल के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आमजन के साथ अच्छा व्यवहार रखें अफसर

हर गरीब के साथ खड़ी है सरकार गरीबों के लिए समर्पित है सरकार–केशव प्रसाद मौर्य

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार बागपत में कानून व्यवस्था व विकास एजेंडा के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की मंशा और जनभावनाओं के अनुरूप अधिकारी अपना कार्य करें, विकास कार्य में गति प्रदान करें। सरकार की मंशा है, हर गरीब तक जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे । उन्होंने कहा जनमानस की समस्याओं एवं गरीब व निर्बल वर्ग के लोगों को सरकारी योजनाओं का भरपूर लाभ पहुंचाने के विशेष प्रयास सभी संबंधित अधिकारियों के द्वारा सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा सरकार की मुख्य प्राथमिकता समाज के अंतिम व्यक्ति को सरकार की योजना से जोड़ना है और उसे लाभान्वित करना है ।हर घर में हर गरीब को छत देने का भी सरकार कार्य कर रही है। सरकार राशन निशुल्क वितरित कर रही है लाभार्थियों का पूरा राशन मिलना चाहिए ।बिजली, पानी, शिक्षा स्वास्थ्य की ना हो कोई समस्या ,इस उद्देश्य से करें अधिकारी कार्य करें। ।उपमुख्यमंत्री ने बैठक में विभागवार विकास कार्यक्रमों एवं संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा की, जिसमे उन्होंने गन्ना विभाग को निर्देश दिए की जनपद बागपत के किसानों का 12 मिल में गन्ना जाता है, जिसमें से मात्र 6 मिलो द्वारा शत प्रतिशत भुगतान किया गया है, शेष मिलो से भी भुगतान कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मलकपुर मिल पर जो गन्ना का बकाया भुगतान है इसे शीघ्र से शीघ्र कराया जाए अन्यथा मिल पर कार्यवाही की जाए और किसानों के गन्ना भुगतान को लेकर अच्छी योजना बनाई जाए ।उपमुख्यमंत्री ने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि बिल की वजह से किसानों के नलकूप के कनेक्शन ना काटे जाएं। किसानों के नलकूपों पर लगाए गए मीटर से बिजली बिल का आंकलन किया जाएगा और सरकार द्वारा इसका भुगतान किया जाएगा किसानों को अगर विद्युत विभाग परेशान करता है, तो विद्युत विभाग के अधिकारियों पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि किस ट्रांसफार्मर खराब होने के समय अंतर्गत वहां तत्काल नया ट्रांसफर स्थापित कर दिया जाए, जो लाइनमैन फर्जी तरीके से बिलिंग कर उपभोक्ता को देते हैं, ऐसे लाईनमैनों की संविदा खत्म की जाए ।उन्होंने कृषि विभाग को निर्देश दिए कि किसान सम्मान निधि का पैसा लाभान्वित किसानों के खाते में ही जाना चाहिए, जिन किसानों की ई केवाईसी नहीं हुई है, अधिकारी किसान के घर तक ई केवाईसी करने के लिए आवश्यक पहुंचे और उन्हें लाभान्वित करें। योजना से कोई भी किसान वंचित नहीं रहना चाहिए ।किसान की हर समस्या के समाधान के लिए सरकार संकल्पित है।उप मुख्यमंत्री ने पशुपालन विभाग को निर्देश दिए की कोई भी गोवंश सड़क पर नहीं दिखना चाहिए। सभी गोवंश गौशालाओं में संरक्षित किए जाएं। गोवंश से किसानों की फसलों का भी नुकसान ना हो ।छुट्टा गोवंश के लिए ग्राम प्रधानों के साथ बड़े स्तर पर बैठक की जाए। उन्होंने कहा गोचर की भूमि पर अभियान चला कर खाली कराया जाए अवैध भूमि पर कब्जा करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा ना जाए। उन्होंने कहा गरीबों को छेड़ा ना जाए और माफिया को छोड़ा ना जाए ,इस तरह से जनपद में अभियान चलाया जाए ।चक मार्ग खाली करने का भी अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए ।उन्होंने कहा कि गोचर की भूमि पर गोवंश के लिए अच्छी योजना तैयार कर उसका लाभ दिया जाए ।उप मुख्यमंत्री ने जल निगम को निर्देश दिए कि जो पाइप पेयजल योजना है उसका जो उद्देश्य है उस उद्देश्य की पूर्ति के लिए हर पात्र व्यक्ति तक जल पहुंचे और एक मीटर नीचे तक पाइपलाइन बिछाए और बिछाते हुए कोई भी सड़क क्षतिग्रस्त नहीं रहनी चाहिए, उसे तत्काल दुरुस्त कराया जाए। उन्होंने कहा हर घर में पाइप लाइन से पानी पहुंचाने का काम भारत देश कर रहा है ,इसको सुंदर स्वरूप देने की आवश्यकता है। सिंचाई विभाग को निर्देशित किया की नाले नदियों को पुनर्जीवित किया जाने के लिए अभियान चलाया जाए, जिससे कि आने वाली पीढ़ी सुरक्षित रह सके। अमृत सरोवर की चौहद्दी में पैमाइश कर और पेड़ पौधे लगाए जाएं और अमृत सरोवर को अत्यधिक सुंदर स्वरूप दिया जाए ।उप मुख्यमंत्री ने आयुष्मान योजना की समीक्षा की जिसमें आयुष्मान कार्ड बनाने में जनपद बागपत प्रदेश में अच्छी रैंकिंग में है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड से होने वाले लाभ के प्रति लोगों को जागरूक किया जाए और लोगों के कार्ड बनाए जाएं, जिससे कि उन्हें लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना की भी समीक्षा की बागपत चिकित्सालय को 7 स्पेशलिस्ट और मिले हैं और जिला चिकित्सालय बागपत बेतहर स्वास्थ्य सुविधाओं को देने के लिए तत्पर है। समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक एसके चौधरी व उनकी टीम की उपमुख्यमंत्री ने प्रशंसा की और कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में बागपत जिला चिकित्सालय अच्छा कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा स्वास्थ्य व शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। जन कल्याणकारी योजना जमीन पर उतर रही है ,सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझे और सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करें।पीएम स्वयं निधि योजना के अंतर्गत अच्छे कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस योजना का गरीबों को लाभ दिया जाए। रेहड़ी –पटरी वालों को लोन दिया जाए और उन्हें सरकार की योजना से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने गरीबों के हित में चलाई गई योजना प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए ।उन्होंने कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष कार्य किया जाए जिससे कि इस योजना का अत्यधिक क्रियान्वयन किया जा सके लाभार्थी को लाभ देने के लिए अधिकारी उसके पास धरातल तक जाएं और उसके दरवाजे तक लाभ पहुंचाएं।उन्होंने कोरी समाज के प्रमाण पत्र के संबंध में भी समीक्षा की और उन्होंने कहा जो समस्या आ रही है उनका समाधान करते हुए इस पर कार्यवाही की जाए, जिससे कि उन्हें इसका लाभ मिल सके।आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाले संदर्भों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनपद से बाहर समस्या नहीं जानी चाहिए ।जनपद स्तर पर, ब्लॉक स्तर पर ,तहसील स्तर पर ही समस्या का समाधान हो जाना चाहिए ।शिकायत का समाधान गुणवत्ता के साथ समय अंतर्गत अधिकारी अवश्य करें, किसी भी रैंकिंग में जनपद बागपत पीछे नहीं रहना चाहिए जनपद की रैंकिंग अच्छी रहनी चाहिए।कहा कि वर्षा ऋतु के समय अब्दुलपुर सुभानपुर तटबंध कट जाने के बाद जिन किसानों की फसल क्षतिग्रस्त हुई है ,उनका सर्वेक्षण कर उन्हें नुकसान के आधार पर मुआवजा दिया जाए,जिससे कि किसी को कोई समस्या ना हो। किसान की हर समस्या के समाधान के लिए सरकार गंभीर है। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर ग्राम पंचायतों में अमृत वाटिका व शिलाफलक्म स्थापित किए गए हैं ,उन पर साफ सफाई के निर्देश दिए। जनपद की समस्त सड़कों को दीपावली से पहले गड्ढा मुक्त करने के पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी गण कार्यालयों में आने वाले लोगों की समस्याओं का निराकरण कराने के लिए आगंतुकों के साथ मृदु व्यवहार करते हुए तत्काल उनकी समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करें ,ताकि वर्तमान सरकार की मंशा के अनुरूप सभी जनमानस को सरकारी योजनाओं एवं उनकी समस्याओं शिकायतों का निस्तारण तत्परता के साथ सुनिश्चित हो सके। उपमुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी समय से कार्यालयों में उपस्थित होकर जनता की समस्याओं का निराकरण करने के साथ–साथ संचालित कार्यक्रमों का पात्र लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने के विशेष प्रयास करें।जन कल्याणकारी योजना जमीन पर उतर रही है सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी समझे और सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करें उन्होंने कहा कि अच्छा कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र भी दिया जाए।उपमुख्यमंत्री ने पांच समूह सखीकुसुम ,रजनी ,विमला,रजनीकांत ,ममता को सम्मानित किया । प्रधानमंत्री आवास योजना –ग्रामीण ग्रामीण के तीन लाभार्थियों को लाभान्वित किया ।इस अवसर पर जिला प्रभारी मंत्री जसवंत सैनी , राज्य मंत्री केपी मलिक ,सांसद डॉक्टर सत्यपाल सिंह, सत्येंद्र सिसोदिया , विधायक बागपत योगेश धामा, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह , वेदपाल उपाध्याय, अशोक नागर ,अपर पुलिस अधीक्षक मनीष मिश्रा , अपर जिलाधिकारी पंकज कुमार , मुख्य विकास अधिकारी हर्षेंद्र सिंह सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर एक नजर में

दो थाना क्षेत्रो से किशोरी फरार , मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी पुलिस

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ के दो थाना क्षेत्रो से दो किशोरी अपने परिजनों को कुछ बताये घर से लापता हो गई। काफी तलाशने के बाद भी जब किशोरियों का कोई पता नहीं चला परिजनों ने स्थानीय थानों पर शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर गुमशुदगी की धारा में मुकदमा दर्ज कर किशोरियों की तलाश में जुटी है दुबग्गा थाना क्षेत्र के छंदोंईया निवासी किशोरी की माँ हसीन जहाँ पत्नी ताहिर अली के मुताबिक उनकी 17 वर्षीय पुत्री आफरीन बीते 22 सितम्बर को घर से लापता हो गई जिसकी वह तलाश कर रही थी इसी बीच उनके पास एक नंबर से फोन आया कि आपकी की पुत्री मेरे पास आई है थोड़ी जानकारी हुआ कि उनकी पुत्री वहां से चली गई जिसके बाद पुनः एक नंबर से फोन आया से फोन आया और उसने पुत्री उनके होने के पास बताया जिसके बाद उसका फोन स्विच ऑफ हो गया। पीड़िता ने मोबाईल नंबर आधार पर मोबाईल धारक पर पुत्री को बहला फुसला कर भगा ले जाने का आशंका व्यक्त की है। वहीं दूसरी तरफ पीजीआई थाना क्षेत्र के सिचाई विभाग कालोनी तेलीबाग निवासी मोनी रावत के मुताबिक उनकी पुत्री निधि रावत बीते 19 सितम्बर को अपनी बुआ से लूलू माल जाने की बात कहकर घर से निकल गई और वापस घर नहीं लौटी। माँ के मुताबिक उनकी पुत्री हमेशा एक नंबर से एक लड़के से बात करती थी। उसने अपनी पुत्री को काफी तलाशा लेकिन पुत्री का कोई पता नहीं चला। पीड़ितो ने स्थानीय थानों पर लिखित शिकायत की है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर किशोरियों की तलाश में जुटी है।

मार्निंग वाक पर निकले युवक पर धारदार हथियार से हमला,मुकदमा दर्ज

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। आशियाना क्षेत्र में शनिवार सुबह मार्निंग वाक पर निकले युवक पर दबंग ने पुराने मामले को लेकर धारदार हथियार से हमला बोल दिया जिसपर लहूलुहान युवक अपनी जान बचा स्थानीय थाने पहुँच आरोपी के खिलाफ नामजद लिखित शिकायत की है। पुलिस शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है। आशियाना क्षेत्र के शारदा नगर रुची खंड प्रथम मकान संख्या 1६651 में रहने वाले विपिन तिवारी के मुताबिक वह शनिवार सुबह करीब 6 रू00 अपने घर के पास टहल रहे थे इस दौरान देखा कि अमन कश्यप उर्फ शानू उनके पड़ोस में रहने वाले पंकज निषाद के घर में इट फेंक रहा है और उन पर नजर पड़ते ही धारदार हथियार से हमला कर दिया। वह वहां से किसी तरह खून से लथपथ हो अपनी जान बचा स्थानीय पुलिस थाने पहुँच आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत किये। शिकायत पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की कार्यवाई में जुटी है। पीड़ित का आरोप है कि बीते 6 अगस्त को अमन कश्यप अपने चार साथियों संग मिलकर पंकज निषाद संग मारपीट किया था जिसमे उन्होंने बिच बचाव कर मामले को खत्म कराया था। जिसकी शिकायत पंकज ने आशियाना थाने पर भी की थी।

डेंगू का प्रकोप फैलने के बावजूद बेपरवाह बना स्वास्थ्य विभाग

सरोजनीनगर ब्लॉक के गांवो में नहीं हो रहा दवा का छिड़काव

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर विकासखंड के गांवों में भी डेंगू का प्रकोप काफी तेजी से फैल रहा है लेकिन उसके बाद भी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व ब्लॉक के अधिकारी सचिव व ग्राम प्रधान इसको लेकर गंभीर नहीं हैं।सरोजनीनगर के हरौनी गाँव निवासी आशीष सिंह उम्र लगभग 35 वर्ष, रामदासपुर गाँव निवासी रागिनी रावत जो डेंगू की चपेट में आ चुकी है जिसके चलते ये लोग अपना इलाज भी निजी अस्पताल में करवा चुके हैं। वहीं नगर पंचायत बन्थरा के अम्बरपुर गाँव में राजकुमार पाल के घर में पत्नी व बच्चा, अजय तिवारी, शिव केश शर्मा के घर में दो भाई तीन बहुएं, पुतान यादव की पत्नी भी डेंगू बुखार की चपेट मे आ चुकी है इन लोगों ने भी अपना इलाज निजी अस्पताल में कराया है। लेकिन सरोजनीनगर ब्लॉक के गांवो में आज तक एन्टीलार्वा दवा का छिड़काव व फागिंग कार्य नही कराया गया है। सरोजनीनगर ब्लॉक के अधिकांश गांवो में लोग बुखार से पीड़ित है जिसमें हरौनी, रामदासपुर, सहिजनपुर, भौकापुर, बेंती, लतीफ नगर, तेरवा, सादुल्लानगर, मवई पड़ियाना सहित दर्जनों गांव ऐसे है जहाँ आज तक न तो दवा का छिड़काव किया गया और न ही फागिंग कार्य किया गया है जिसके कारण लगातार लोग बुखार व संक्रामक रोगों की चपेट में है। वहीं गांवो में गंदगी का अम्बार है, सफाई कर्मचारी भी गांवो में रोजाना पहुंचने के वजाय सप्ताह में एक दो दिन ही पहुंचते है इसकी जानकारी खंड विकास अधिकारी सरोजनीनगर निती श्रीवास्तव को भी मैंने फोन करके दी लेकिन उसके बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की गई। वहीं हरौनी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मे भी गन्दगी का अम्बार लगा है जहाँ साफ सफाई तक नही करवाई जा रही है जहाँ मरीज तक भर्ती होते हैं। जबकि हरौनी स्वास्थ्य केन्द्र मे स्वयं अधिक्षक सरोजनीनगर ने आकर साफ सफाई करवाने के निर्देश दिए थे वहीं उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक लगातार यह दावे कर रहे हैं कि डेंगू की रोकथाम के लिए उनकी टीम काम कर रही है लेकिन सरोजनीनगर में स्वास्थ्य मंत्री के आदेशों पर अधिकारी व कर्मचारी लगातार पानी फेर रहे हैं।

ग्राम्य विकास विभाग को प्रोन्नति से मिले 113 नये सहायक विकास अधिकारी आईएसबी

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रोन्नति से आये सहायक विकास अधिकारियों (आईएसबी) को दी बधाई

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर पूरी तत्परता बरतते हुए ग्राम्य विकास आयुक्त द्वारा 113ग्राम विकास अधिकारियों को पदोन्नति देकर सहायक विकास अधिकारी द्धआईएसबीत्रः बनाया गया है। पदोन्नति से आये इन सहायक विकास अधिकारियों को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बधाई दी है। उन्होंने इन सहायक विकास अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह पूरी निष्ठा व सेवा भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें और गांव- गरीब के लिए संचालित योजनाओं को अमलीजामा पहनाने में पूरी गम्भीरता व संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। उप मुख्यमंत्री ने ग्राम्य विकास विभाग के उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विभाग में जो भी पद पदोन्नति से भरे जाने हैं, उन्हें नियमानुसार समय से पदोन्नति देने की कार्यवाही की जाए। ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी ने पदोन्नति आदेश जारी करते हुए कहा है कि नव प्रोन्नत से आये इन सहायक विकास अधिकारियों की तैनाती के आदेश पृथक से जारी किये जायेंगे। इन 113सहायक विकास अधिकारियों में 8 लोग दिव्यांग श्रेणी के हैं। ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी ने निर्देश दिए हैं कि प्रोन्नत सहायक विकास अधिकारी अपने तैनाती जनपद में नियन्त्रक अधिकारी को अपनी योगदान आख्या प्रस्तुत करें।

मनरेगा गाइड लाइन्स के अनुरूप कार्य न करने पर कार्य को घोषित किया गया श्रमदान

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। जनपद कानपुर नगर के विकास खण्ड बिल्हौर के ग्राम पंचायत रैगांव में पीद्र डब्लूद्रडीद्र रोड रैगांव की पुलिया से हाइवे तक चकमार्ग निर्माण में अनियमितता की शिकायत आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग से की गयी थी, जिस पर ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी द्वारा प्रकरण की जांच करायी गयी। जांच में प्रकाश में आया है, कि इस मार्ग का प्राक्कलन मनरेगा योजनान्तर्गत तैयार कर सक्षम स्तर से स्वीकृति के उपरांत कार्य प्रारंभ कराया गया, किन्तु कार्य मनरेगा श्रमिकों से न कराकर जेसीबी द्वारा कराया गया,जो मनरेगा गाइडलाइंस में निहित प्राविधानों के विपरीत है। इस कार्य को श्रमदान घोषित करते हुए किसी भी प्रकार के भुगतान हेतु खण्ड विकास अधिकारी द्वारा रोक लगा दी गई है। उपायुक्त श्रम रोजगार कानपुर नगर द्वारा आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग लखनऊ को इस प्रकरण के बारे में भेजें गये पत्र में कहा गया है कि यदि इस कार्य पर कोई भुगतान किया जाता है, तो उत्तरदायी कर्मचारी पर नियमानुसार विधिक कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

पुरानी रंजिश के चलते विपक्षियों ने युवक पर लाठी डंडो से प्रहार कर किया गंभीर रूप से घायल।

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व विपक्षियों ने पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर लाठी डंडो से हमला कर लहूलुहान कर दिया जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक की शिकायत पर स्थानीय पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है। काकोरी क्षेत्र के ग्राम कठिंगरा निवासी जितेंद्र उर्फ रिंकू पुत्र राम अवतार के मुताबिक गाँव के ही महिपाल , पुतान पुत्र महिपाल से उनकी पुरानी रंजिश चल रही है। जिसके चलते बीते 22 सितम्बर की रात विपक्षीगण गाली दे रहे थे जिसका उसने विरोध किया तो विपक्षी लाठी डंडो से उस पर हमला बोल दिए और लहूलुहान कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। ग्रामीणों ने बीचबचाव किया तो विपक्षी फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्यवाई में जुटी है।

पूरी इंसानियत सहाबाक्राम के एहसान का बदला नही चुका सकती : मौलाना मो0 सुफयान

लखनऊ। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया के अर्न्तगत दारूल उलूम निजामिया फरंगी महल में माह–ए–रबी उल अव्वल की मुनासिबत से आठवें जलसे ``जलसा सीरतुन्नबी, सीरते सहाबा रजि0 व इस्लाह–ए–मुआशरा'' का आयोजन किया गया। जलसे को खिताब करते हुए मौलाना मो0 सुफयान निजामी अध्यापक दारूल उलूम फरंगी महल ने कहा कि हुजूर पाक सल्ल0 की जात नूर है। ऐसा नूर जिसने से अंधेरों को दूर कर दिया। आप सल्ल0 का मुबारक नूर सहाबाक्राम में आया और उनकी जिन्दगियों को रौशन कर दिया। सहाबाक्राम रजि0 ने अपने महबूब नबी पाक सल्ल0 के आदेशों व हिदायतों का पूरी दुनिया में प्रचार व प्रसार किया। दुनिया आज तक सहाबाक्राम रजि0 के एहसानों का बदला नही चुका सकी मौलाना ने कहा कि खुदा पाक की रजा इसी मे हैं कि जैसा खुदा ने हुक्म दिया है वैसा ही किया जाए, अपनी तरफ से उसमें कुछ कमी और ज्यादती न की जाए। सहाबाक्राम ने हुजूर पाक की जिन्दगी का हर पहलू हम तक पहुंचा दिया।

औद्यानिक कार्यक्रमों की मानिटरिंग करने हेतु नामित किये गये-नोडल अधिकारी

नोडल अधिकारी मण्डल के जनपदों में औद्यानिक कार्यक्रमों का स्थलीय निरीक्षण एवं अनुश्रवण कर सूचनायें संकलित करेंगे-उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह

खब्बर दृष्टिकोण

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह के निर्देश पर उद्यान विभाग के अन्तर्गत संचालित औद्यानिक कार्यक्रमों की मानिटरिंग करने हेतु नोडल अधिकारी नामित किए गए है। यह नोडल अधिकारी अपने आवंटित मण्डल के जनपदों में जाकर औद्यानिक कार्यक्रमों व योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण एवं अनुश्रवण करेंगे,

मासिक रूप के कार्यक्रमों मे गतिशीलता लाते हुए तात्कालिक समस्याओं के समाधान करते हुए मण्डल की सूचनायें संकलित करेंगे। निदेशक उद्यान अतुल कुमार सिंह ने इस सम्बन्ध में आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश में मुख्यालय स्तर के अधिकारियों को मंडलों का नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इन नामित नोडल अधिकारियों द्वारा आवंटित मण्डल के समस्त जनपदों में वृक्षारोपण, राजकीय उत्पादन इकाइयों में उत्पादन सुदृढ़ीकरण एवं नवीन प्रस्तावों की समीक्षा तथा वित्तीय वर्ष 2023–24 में संचालित समस्त विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों यथा– हाईटेक नर्सरी इन्क्यूबेशन सेन्टर पर ड्रॉप मोर क्रॉप माइक्रो इरीगेशन, एकीकृत बागवानी विकास मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना आदि के स्थलीय निरीक्षण, सत्यापन, क्रियान्वयन की जनपद व मण्डल की मासिक समीक्षा करके लक्ष्यों की शत–प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित कराने हेतु विश्लेषणात्मक रिपोर्ट प्रेषित की जाय। यदि मण्डल व जनपद में कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में कोई कठिनाई आ रही है तो आवश्यकतानुसार मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी से सम्पर्क कर उनके संज्ञान में लाकर समस्या का समाधान कराया जाये तथा कार्यक्रमों के संचालन में आ रही व्यवहारिक समस्या अथवा सुझाव उच्च स्तर पर आहूत समीक्षा बैठक में रखा जाये।

आम के बाग में पेड़ से लटका मिला युवक का शव।

खबर दृष्टिकोण ,

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक युवक का शव आम के बाग में पेड़ से लटका देख गाँव में हड़कंप मच गया। भाई की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव फंदे से उतार कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।काकोरी क्षेत्र के ग्राम चकपरेवा में रविवार दोपहर आम के बाग में पेड़ से दुपट्टे के सहारे एक युवक का फंदे से लटका शव देख गाँव में हड़कंप मच गया। मृतक के भाई राहुल राजपूत ने अपने भाई विशाल राजपूत (21) पुत्र राम शंकर राजपूत को फंदे से मृत अवस्था में लटका हुआ देख कंट्रोल नंबर पर पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव फंदे से उतार कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक के भाई के मुताबिक मृतक अविवाहित था।

शिक्षिका लक्ष्मी वर्मा ने उप्रावि सिहानीपारा को दी नई पहचान क्षेत्र में हो रही चर्चा

संवाददाता अजय सिंह।

खबर दृष्टिकोण सीतापुर

सीतापुर। विकास क्षेत्र परसेंडी के उप्रावि सिहानीपारा की सहायक अध्यापिका लक्ष्मी वर्मा ने अपने विद्यालय को एक नई पहचान दी है। विद्यालय पहुँचते ही विद्यालय का वातावरण पढ़ने और पढ़ाने को प्रेरित करने लगता है। विद्यालय की हरियाली देखकर मन चहकने लगता है। इस वजह से बच्चों का मन भी प्रफुल्लित हो जाता है और नूतन ज्ञान को सीखने के लिए तैयार हो जाते हैं। कक्षा कक्ष में पहुँचते ही शिक्षण अधिगम सामग्री देखकर तो सीखने और सिखाने की अभिलाषा में मानो पंख ही लग जाते हो। इन सारी विशेषताओं से उ प्रा वि सिहानीपारा को क्षेत्र में एक नई पहचान मिली है। इस पहचान को मूर्त रूप देने के लिए जिस शिक्षिका ने अपने तनध मन धन से विद्यालय के भौतिक

विकास में सहयोग किया है।विद्यालय के पर्यावरण संरक्षण हेतु ट्री गार्ड का निर्माण करवाया । वह लक्ष्मी वर्मा हैं। यद्यपि लक्ष्मी वर्मा का समस्त स्टाफ शिक्षा साधना के लिए तत्पर है। बताते चलें कि कक्षा कक्ष में फर्श न होने पर सहायक अध्यापिका लक्ष्मी वर्मा ने अपने वेतन के रुपयों से फर्श बनवाया है। एक तरफ जहां वो शैक्षिक नवाचारों से विद्यालय के अधिगम स्तर में ऊंचाई प्रदान करा रही हैं। वहीं दूसरी तरफ सांस्कृतिक गतिविधियों में भी बढ़कर चढ़कर हिस्सा लेती हैं। जिससे बच्चों के अन्दर राष्ट्रीय प्रेम और सामाजिक शिष्टाचार जैसे गुणों का विकास कर रही हैं। मिशन शिक्षण संवाद जैसे सोशल मीडिया के प्रतिष्ठित मंच पर उनका उल्लेखनीय अवदान है। वाकई लक्ष्मी वर्मा का शैक्षिक समर्पण सराहनीय है।

पड़ावमंडी,टीचर्स कॉलोनी के गणपति विसर्जन में गूंजीगणपति बप्पा मोरिया

विदाई के दौरान श्रद्धालु अश्रुपूरित

जसवंतनगर (इटावा)। गणेश चतुर्थी से यहां लुधपुरा की टीचर्स कॉलोनी और पड़ाव मंडी बाजार में विराजमान षौरी पुत्र गणेश जीष की विदाई यात्रा नगर में बड़े ही धूमधाम से निकाली गई। यात्रा के साथ विसर्जन किया गया। दोनो ही विसर्जन यात्राओं में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी। यात्रा में रंग और गुलाल श्रद्धालु गण एक दूसरे पर जोर–शोर से उड़ाते और हर्ष और श्रद्धा व्यक्त कर रहे थे। षाणपत बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आष के नारों के साथ भाव विभोर हो रहे थे।

पिछले 5–6 दिनों से भगवान गणपति की सेवा कर रहे श्रद्धालु गण विदाई यात्रा में अश्रुपूरित थे। और गणपति भगवान से देश, समाज और नगर तथा अपने परिजनों की खुशहाली की दुआएं मांग रहे थे। यात्रा दौरान गणपति भगवान को जमकर सजाया गया था।टीचर्स कॉलोनी के गणपति भगवान फूलों से गाड़ी में विराजमान थे, जबकि पड़ाव मंडी के गणपति एक विशाल सुसज्जित ट्रेक्टर नुमा सिंहासन पर सवार होकर अंतिम यात्रा को निकले थे। विदाई यात्रा नगर से करीब एक किलोमीटर दूर भोगनीपुर नहर के सिरहौल पुल पर संपन्न हुई । वहां प्रशासन द्वारा तैनात किए गए तैराकों ने गणेश भगवान को जल में विसर्जित करते उन्हें विदा किया। इस अवसर पर भी जमकर गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ के नारे गूंजे। टीचर्स कॉलोनी और पड़ाव मंडी के गणेश भगवान के विदा हो जाने से इन दोनों मोहल्लों में सुनसान छा गया। लोग अकेलापन महसूस करने लगे। टीचर्स कॉलोनी के गणपति विदाई के अवसर पर सैफई की ब्लॉक प्रमुख मृदुला यादव ने पहुंचकर सैफई महोत्सव के प्रबंधक वेदव्रत गुप्ता, डॉक्टर अनिल पोरवाल, विधायक प्रतिनिधि अजेंद्र सिंह गौर, राजीव गुप्ता बबलू इंद्रपाल सिंह कुशवाहा, अमरचंद शर्मा, निक्का जैन, भगवान दास दूध वाले, शिव स्वरूप झा, सीमा गुप्ता अनमोल गुप्ता आदि के साथ गणेश जी की आरती कर अंतिम विदाई दी। पड़ाव मंडी के गणेश विदाई यात्रा में ओम न्यारिया, संतोष पनीर वाले, रानी मुंबईया, सोनू चौरसिया,ललित कुशवाहा, रामचंद्र गुप्ता, अनुज बाथम, चारू कुशवाहा, शिवकुमार, आदि मौजूद थे।

सीपेट चौराहे पर चलाये गए अतिक्रमण अभियान के खिलाफ आदर्श व्यापार मण्डल ने की आपात बैठक

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर के नगरीय क्षेत्र के नादरगँज में रामनरेश रावत पार्षद की शिकायत पर, सीपेट चौराहा के पास बने नाले एवँ सड़क पर, बिना नगर निगम की अनुमति के लगभग 150 पटरी दुकानदार फल, सब्जी व मीट आदि की दुकानें लगाकर, अपने परिवार का भरणकृपोषण विगत कई वर्षो से करते चले आ रहे है । जिसे विगत दिनों नगर निगम जोन–5 की अवैध अतिक्रमण टीम द्वारा बुलडोजर से उक्त पटरी दुकानदारों को हटाया था ।उप्र आदर्श व्यापार मण्डल रुस्तम बिहार के महामँत्री दीपक शाह द्वारा एक आपात कालीन बैठक का आयोजन रविवार को किया गया। बैठक में आदर्श व्यापार मण्डल के जिला संगठन मंत्री व सरोजनीनगर विधानसभा के अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा शामिल हुए । उक्त बैठक में पटरी दुकानदारों ने आरोप लगाया कि क्षेत्रीय पार्षद राम नरेश की शिकायत पर नगर निगम द्वारा बिना नोटिस दिये ही अचानक पुलिस बल के साथ दुकानें हटाकर आर्थिक

नुकसान किया गया । दुकानदारों को नगर निगम से सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने की माँग रखी । यह भी संज्ञान में दिया गया कि व्यापार मण्डल के निर्वतमान अध्यक्ष आमिर और पार्षद के मध्य कुछ वाद विवाद होने के कारण ही सभी पर द्वेषवश कार्यवाही करायी गयी, जिससे अन्य पटरी दुकानदारों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है ।ओम प्रकाश शर्मा ने पटरी दुकानदारों के बहुमूल्य हितों की रक्षा करने हेतु पूर्ण आश्वासन दिया कि नगर निगम की कार्यवाही तानाशाही व बिना नोटिस दिये मनमानी प्रताड़ना है । राम नरेश रावत पार्षद और नगर निगम के उच्चाधिकारियों संग वार्ता करके शीघ्र ही पटरी दुकानदारों के स्थान को चिन्हाँकित कराकर, उन्हें पुर्नस्थापित कराने का प्रयास आदर्श व्यापार मण्डल द्वारा जल्द ही किया जायेगा । जिससे क्षेत्रीय जनमानस को भी फल, सब्जी आदि नजदीक उपलब्ध हो जाये और सड़क पर यातायात भी प्रभावित न होने पाये ।जिससे दुकानदार मेहनत करके अपने परिवार का भरणपोषण करने में सक्षम हों । बैठक में व्यापार मण्डल के नर्स्द यादव अध्यक्ष अमौसी, माहताब सिहँ महामँत्री, पवन तिवारी अध्यक्ष, इरशाद उपाध्यक्ष एयरपोर्ट, व आमिर अध्यक्ष, दीपकशाह महामँत्री, रूस्तम विहार सहित बड़ी सँख्या में पटरी दुकानदार उपस्थित रहे ।

यात्रियों को नशीला पदार्थ खिला चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार , एक सौ दस ग्राम नशीला पाउडर बरामद

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। अयोध्या कैंट जीआरपी पुलिस द्वारा रविवार को स्टेशन परिक्षेत्र से एक शातिर को गिरफ्तार किया है जो ट्रेनों में यात्रियों को नशीला पदार्थ खिला उनके कीमती सामानो को चोरी कर लेता था शातिर के कब्जे से एक सौ दस ग्राम नशीला पाउडर बरामद हुआ है। जिसपर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा में कार्यवाई कर जेल भेज दिया है। अयोध्या कैंट जीआरपी प्रभारी राकेश कुमार राय ने बताया कि रविवार चेकिंग दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 2 से एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया है जिसके कब्जे से तलाशी दौरान एक सौ दस ग्राम नशीला पाउडर अल्प्राजोलम बरामद हुआ है। शातिर ट्रेनों में सफर कर रहे यात्रियों से मेलजोल बढ़ा उनको खाने पीने की चीजों में नशीला पाउडर मिला देता था और उनके बेहोश हो जाने पर उनके कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाता था। पुलिस के पूछताछ में शातिर ने अपना परिचय विनय उर्फ पिन्टू पुत्र सियाराम गोश्वामी निवासी गौराभारी थाना बड्डुपुर जिला बाराबंकी के रूप में दिया है। शातिर के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा में कार्यवाई कर जेल भेज दिया गया है।

युवती संग छेड़खानी के दौरान हवाई फायरिंग करने वाला रईसजादा गिरफ्तार

चारपहिया थार गाडी सीज लाइसेंसी पिस्टल जब्त

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। अलीगंज थाना क्षेत्र में चारपहिया थार गाडी से अपने साथियो संग कई दिनों से एक महिला का पीछा कर छींटाकशी करने वाले रईसजादे ने शनिवार रात अपने लाइसेंसी असलहे से हवाई फायरिंग कर डाला जिससे हड़कंप मच गया द्य सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज शोहदे को हिरासत में ले उसकी गाडी व असलहे को जब्त कर शोहदे को जेल भेज दिया है। अलीगंज थाना प्रभारी नागेश उपाध्याय ने बताया कि पीड़िता ने शनिवार रात शिकायत किया था कि देवेन्द्र नामक व्यक्ति अपने साथियों के साथ कुछ दिनो से उसका पीछा करके छेड़खानी कर तंग कर रहा है शनिवार रात्रि करीब 21.30 बजे वह सेक्टर ई मिलन बिरयानी के पास आकर उत्तेजित होकर अपनी लाइसेंसी पिस्टल से हवाई फायरिंग कर जान से मारने की धमकी दिया फायरिंग की सूचना पर हड़कंप मच सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी को गिरफ्तार कर उसकी चारपहिया गाड़ी को सीज कर लाइसेंसी पिस्टल को जब्त कर लिया है द्य शोहदे ने पुलिस को अपना परिचय देवेंद्र यादव पुत्र स्व वंशी यादव निवासी 299ए ध 645ए सरस्वतीपुरम जानकीपुरम थाना जानकीपुरम लखनऊ के रूप में दिया है द्य शोहदे के खिलाफ छेड़खानी की धाराओं में कार्यवाई कर जेल भेज दिया गया है।

गढ़ी चुनौटी ग्राम सभा में आयोजित हुआ आपका विधायक आपके द्वार कार्यक्रम

सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह की टीम ने सुनी जनसमस्याएं

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा चलाए जा रहे आपका विधायक आपके द्वार कार्यक्रम के तहत रविवार को ग्राम पंचायत गढ़ी चुनौटी के मजरे गढ़ी स्थित प्राइमरी स्कूल में जनसुनवाई व निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया । माँ स्व. तारा सिंह की स्मृति में आयोजित इस शिविर में वरिष्ठ भाजपा नेता शिव शंकर सिंह शंकरी व विधायक कार्यालय की टीम के विधायक प्रतिनिधि पार्षद के एन सिंह द्वारा आम जनता की समस्याओं को सुना गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने गॉव की सड़क, देवी मॉ के प्राचीन मन्दिर का जीणोद्धार, बारात घर, विधवा पेंशन, नाली, आवास व मुख्य सड़क के चौड़ी करण व नाला जैसी 23 समस्याएँ सुनी गई। इस दौरान डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा गॉव की शान कार्यक्रम के तहत इंटरमीडिएट के चार मेधावी छात्र–छात्राओं प्रियांशी रावत(73:), ऑचल(67:), उत्कर्ष सिंह चौहान(65:)

व आकाश प्रताप सिंह(75:) को प्रशस्ति पत्र, दीवार घड़ी और साइकिल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर भाजपा नेता शिव शंकर सिंह शंकरी ने कहा कि युवाओ को देश का भविष्य बताते हुए कहा कि वह सुशिक्षित व संस्कारी बन देश की उन्नति मे अपना अहम योगदान प्रदान करें। इस दौरान खेलो को बढ़ावा देने के लिए जहाँ यूथ क्लब गठित कर उन्हे वॉलीबॉल किट दी गई। वहीं गॉव की सबसे बुजुर्ग महिला जगदेई के घर जाकर उन्हें अंगवस्त्र व गीता प्रदान कर सम्मानित किया गया। यहॉ लगे स्वास्थ्य शिविर में चार दर्जन से अधिक ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गई। कार्यक्रम में विधायक टीम के डा० अखिलेश सिंह, नेहा सिह, पार्षद मनोज रावत, नाहर सिंह, विनय दीक्षित व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रितेश सिंह चौहान, क्षेपंस अँचल गौतम सहित बड़ी संख्या में जनता मौजूद रही। इस दौरान विधायक द्वारा चलाई जा रही मां तारा शक्ति निरू शुल्क रसोई के माध्यम से ग्रामीणों के बीच स्वादिष्ट भोजन का वितरण भी किया गया।

मलवां रेलवे स्टेशन में दिनदहाड़े हुई चोरी पुलिस कर रही खुलासे का प्रयास

फश्वरेंसिक टीम ने पहुंच कर फिंगर प्रिंट व साक्ष्य किये संकलित

खबर दृष्टिकोण फतेपुर।

संवाददाता दिवाकर मिश्रा।

मलवां थाना क्षेत्र के न्यू मलवां रेलवे स्टेशन में 23 सितंबर को लगभग 1रू30 बजे दिन में ताला तोड़कर अज्ञात चोरों द्वारा कॉपर तार 18 बंडल जिसकी कीमत लगभग 45000 रुपए थी,को चोरों द्वारा चुरा लिया गया। घटना के बाबत दूरसंचार विभाग में कनिष्ठ कार्यकारी अधिकारी गौतम कुमार पुत्र संजय यादव निवासी नारायणपुर नौगढ़ अमस बिहार के तौर पर कार्यरत हैं। उनके द्वारा मलवां थाने में तहरीर दी गई है। थानाध्यक्ष मलवां मुकेश कुमार सिंह ने बताया की तहरीर मिली है। जिसमें 199ध23 धारा 457,380 आईपीसी के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों गिरफ्तार सलाखों के पीछे भेजा जाएगा।

ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट–2023 को वाराणसी में रोड–शो आज

पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय तीसरे समिट के लिए व्यापार और विकास के पहलुओं पर करेगा मंथन

वाराणसी ।ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट–2023 का तीसरा संस्करण 17 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2023 तक दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में होगा। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय 25 सितंबर को वाराणसी में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर व्यापारियों से व्यापारिक संभावनाओं पर संवाद करेंगे। वाराणसी में रोड शो से कोलकाता, मैंगलोर, विशाखापत्तनम, गोवा गुवाहाटी और चेन्नई समेत भारत के कई शहरों में कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट–2023 के लिए वाराणसी में सोमवार को पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) रोड शो करेगा। इसमें केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के साथ उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्रियों और प्रतिनिधि शिरकत करेंगे। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के तत्वावधान में रोड शो मैरीटाइम में विकास, सहयोग को बढ़ावा देने और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में स्टैकहोल्डर्स के लिए नए अवसरों को खोजने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

ठेकेदार का अपहरण करने से पहले पकडे 5 बदमाश

आर्थिक तंगी से परेशान होकर रची साजिश

आगरा। आगरा में बेरोजगारी से जूझ रहे युवक ने एक ठेकेदार के अपहरण की साजिश रच डाली। इस साजिश में अपने दोस्तों को भी शामिल किया। अपहरण के बाद पुलिस से बचने के लिए उन्होंने यू–ट्यूब पर कई वीडियो देखे। टीवी पर सीरियल देखकर उसके दिमाग में आइडिया आया था। मगर, पुलिस ने अपहरण से पहले ही बदमाशों को पकड़ लिया। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि सिकंदरा कैलाश मोड कृष्णा कॉलोनी निवासी सूरज दक्ष के कॉलोनी में बिल्डिंग ठेकेदार अशोक कुमार रहते हैं। लंबे समय से सूरज कोई काम नहीं कर रहा था। ऐसे में उसकी आर्थिक स्थिति खराब थी। उसके ऊपर कुछ कर्जा भी था। ऐसे में उसने ठेकेदार का अपहरण करने का प्लान बनाया। अकेले वारदात को अंजाम न दे पाने के चलते उसने अपने दोस्त गौरव से संपर्क किया। उसे अपहरण का अपना प्लान बताया। गौरव उसका साथ देने को तैयार हो गया। उसने अपने तीन और दोस्तों को साथ ले लिया। सूरज और गौरव ने अपने दोस्तों के साथ ठेकेदार की रेकी करनी शुरू कर दी। वो घर से कब निकलता है, कहां जाता है, इसकी रेकी करने के बाद अपहरण करने योजना बनाई। पहले उन्होंने उसे ठेका देने के बहाने मिलने के लिए बुलाकर अपहरण करने की योजना बनाई थी, लेकिन ठेकेदार इनके चगुंल में नहीं आया। इसके बाद शनिवार को फिर अपहरण करने की योजना थी। मगर पुलिस ने पहले पकड़ लिया। डीसीपी ने बताया कि ठेकेदार अशोक कुमार की कमला नगर के मुगल रोड पर एक साइट चल रही है। बदमाशों ने योजना बनाई थी कि सुबह घर से निकलने के बाद वो व्यापारी का अपहरण कर लेंगे। इसके बाद कार में बैठाकर उस शहर में घूमते रहेंगे। सूरज ठेकेदार की पत्नी के साथ रहेगा।

सामाजिक परिवर्तन और उद्यमिता को प्रोत्साहन

सौरभ गर्ग

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाने तथा सामाजिक सशक्तिकरण एवं राष्ट्र-निर्माण के वाहक के रूप में उद्यमिता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्गों के लिए उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) के साथ-साथ सेज उद्यम कोष (वेंचर फंड) जैसी रणनीतिक पहलों के माध्यम से सरकार ने सभी लोगों, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या सामाजिक हैसियत कुछ भी हो, के लिए अवसर सृजित करने का काम जारी रखा है। समावेशी प्रगति का दृष्टिकोण महज एक सपना भर नहीं है, बल्कि यह परिवर्तनकारी पहलों के माध्यम से तैयार की गई एक ऐसी वास्तविकता है जो लोगों को सशक्त बनाती है, नवाचार को बढ़ावा देती है और राष्ट्र को व्यापक विकास के मार्ग पर अग्रसर करती है।

सामाजिक परिवर्तन के एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उद्यमिता की मान्यता पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्यमिता न केवल आर्थिक मूल्य सृजित करती है, बल्कि यह लोगों को अपने अधिकारों का प्रयोग करने तथा पारंपरिक मानदंडों से मुक्त होने के लिए सशक्त भी बनाती है। स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के साथ एकीकृत करने की दृष्टि से, सरकार ने हाशिए पर रहने वाले एवं कमजोर समुदाय के लोगों के भीतर उद्यमिता को प्रोत्साहित करने हेतु कई सक्रिय कदम उठाए हैं। उद्यमिता के प्रोत्साहन का यह दृष्टिकोण उस समावेशी विकास के इर्द-गिर्द घूमता है, जहां कोई भी पीछे नहीं छूटे और सभी नागरिकों, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या सामाजिक हैसियत कुछ भी हो, को अवसर समान रूप से सुलभ हों। विभिन्न रणनीतिक पहलों एवं अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से, सरकार का उद्देश्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाते और उनकी क्षमता को सामने लाते हुए देश को व्यापक विकास की ओर ले जाना है।

वर्ष 2015 में, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने रियायती वित्त प्रदान करके अनुसूचित जातियों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु अनुसूचित जातियों के लिए उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) की स्थापना की। लगभग 726 करोड़ रुपये की मौजूदा निधि के साथ, इस कोष ने सभी उद्योगों में ग्रीन-फील्ड एवं विस्तार परियोजनाओं के लिए 10 लाख रुपये से लेकर 15 करोड़ रुपये तक की फंडिंग की पेशकश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस वित्तीय सहायता ने उन उभरते उद्यमियों के लिए एक जीवन-रेखा के रूप में काम किया है, जिनके लिए शायद फंडिंग के पारंपरिक मार्गों तक पहुंचना संभव नहीं होता।

इस कोष के सबसे उल्लेखनीय पहलुओं में से एक चार प्रतिशत प्रति वर्ष की रियायती ब्याज दर है, जिसे महिला उद्यमियों एवं अनुसूचित जाति वर्ग के दिव्यांग उद्यमियों के लिए घटाकर 3.75 प्रतिशत प्रति वर्ष कर दिया गया है। ब्याज दरों में यह उल्लेखनीय कमी यह सुनिश्चित करती है कि हाशिए की पृष्ठभूमि से उभरने वाले उद्यमी अपेक्षाकृत अधिक विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि से संबंध रखने वाले अपने समकक्षों के साथ समान धरातल पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

आम्बेडकर सोशल इनोवेशन इनक्यूबेशन मिशन (एएसआईआईएम) सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। उद्यम पूंजी (वेंचर कैपिटल) से जुड़ी पहल के हिस्से के रूप में, अनुसूचित जाति समुदाय के युवाओं के भीतर अभिनव विचारों के विकास एवं प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एएसआईआईएम का 2020 में शुभारंभ किया गया था। कुल 30 लाख रुपये तक की फंडिंग के माध्यम से, एएसआईआईएम ने अनुसूचित जाति समुदाय के छात्रों एवं शोधकताओं द्वारा शुरू की गई प्रौद्योगिकी-उन्मुख परियोजनाओं व स्टार्ट-अप का समर्थन किया है। इस पहल ने उद्यमिता के मोर्चे पर सरकार की ओर से डाले जाने वाले प्रभाव में एक और गतिशील एवं अभिनव आयाम जोड़ा है।

इन पहलों का प्रभाव गहरा रहा है। कुल मिलाकर 20 राज्यों में अनुसूचित जाति के उद्यमियों के स्वामित्व वाले 200 उद्यमों को समर्थन देने के लिए 483 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए। ये उद्यम विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हुए हैं और क्षेत्रीय विकास एवं राष्ट्र-निर्माण के व्यापक प्रयास में अहम योगदान दे रहे हैं। इसके अलावा, अनुसूचित जाति समुदाय के पहली पीढ़ी के उद्यमियों को महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करके उनकी सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मार्गदर्शन सत्र की पेशकश करने वाले प्लेटफॉर्म aye-metor.in की स्थापना की गई है।

अन्य पिछड़ा वर्ग के उद्यमियों की असीम क्षमताओं को पहचानते हुए, सरकार ने 2019 में पिछड़े वर्ग के लिए उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) की स्थापना की। कुल 143 करोड़ रुपये की मौजूदा निधि के साथ, यह कोष पिछड़े वर्ग के उद्यमियों को रियायती वित्तपोषण प्रदान करता है। इससे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में पिछड़े वर्ग के उद्यमियों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहन मिला है। सभी उद्योगों में ग्रीन-फील्ड एवं विस्तार परियोजनाओं के लिए 20 लाख रुपये से लेकर 15 करोड़ रुपये तक की फंडिंग की पेशकश करके, हम आर्थिक समावेशिता को बढ़ावा दे रहे हैं।

इस कोष ने मैन्यूफैक्चरिंग, सेवाओं एवं कृषि से संबंधित उद्योगों सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य पिछड़ा वर्ग के उद्यमियों के स्वामित्व वाली 29 कंपनियों को 106 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इस वित्तीय सहायता ने अन्य पिछड़ा वर्ग समुदाय के बीच विकास एवं समावेशिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2021 में, 'सिल्वर इकोनॉमी' के रूप में जाने जाने वाले वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण एवं भलाई के लिए अटल वयो अभ्युदय योजना (एवीवीएवाई) के तहत 'सेज' (सीनियर एजिंग ग्रोथ इंजन) नाम की पहल शुरू की गई थी। कुल 21.50 करोड़ रुपये की वर्तमान निधि और 106 करोड़ रुपये की इच्छित निधि के साथ, सेज उद्यम कोष (वेंचर फंड) इस क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए बुजुर्गों की बेहतरी के लिए नवीन समाधान पेश करने वाले स्टार्ट-अप का समर्थन करता है।

ये पहल हाशिए पर रहने वाले समुदायों की क्षमताओं को सामने लाने और उन्हें अपनी नियति का निर्धारण करने के कार्य में सक्षम बनाने में समर्थ रहे हैं। उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) के माध्यम से वित्तीय सहायता के प्रावधान के परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था में 700 करोड़ से अधिक मूल्य की परिसंपत्तिओं का निर्माण हुआ है और इससे 3000 से अधिक व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। हाशिए पर रहने वाले एवं कमजोर समुदायों के 400 से अधिक उद्यमियों ने अपनी उद्यमशीलता संबंधी आकांक्षाओं को सफलतापूर्वक साकार किया है। ये उद्यमी अब 'मेक इन इंडिया' पहल में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं और इस प्रकार भारत की आर्थिक विकास एवं समृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाने तथा सामाजिक सशक्तिकरण एवं राष्ट्र-निर्माण के वाहक के रूप में उद्यमिता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग है। अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्गों के लिए उद्यम पूंजी कोष (वेंचर कैपिटल फंड) के साथ-साथ सेज उद्यम कोष (वेंचर फंड) जैसी रणनीतिक पहलों के माध्यम से सरकार ने सभी लोगों, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या सामाजिक हैसियत कुछ भी हो, के लिए अवसर सृजित करने का काम जारी रखा है। समावेशी प्रगति का दृष्टिकोण महज एक सपना भर नहीं है, बल्कि यह परिवर्तनकारी पहलों के माध्यम से तैयार की गई एक ऐसी वास्तविकता है जो लोगों को सशक्त बनाती है, नवाचार को बढ़ावा देती है और राष्ट्र को व्यापक विकास के मार्ग पर अग्रसर करती है। अपेक्षाकृत अधिक समावेशी एवं समृद्ध भारत के निर्माण के लिए, इस तरह के प्रयास प्रत्येक नागरिक की अप्रयुक्त क्षमताओं का दोहन करते हुए सार्थक परिणाम देते रहेंगे और एक प्रगतिशील एवं एकजुट भारत के सामूहिक दृष्टिकोण को साकार करेंगे।

संपादकीय

कर्ज का चस्का

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (फीरी१५ी इंल्ल' ड्डा क्ल्ली) ने पिछल दिनों कहा था कि घरेलू बचत पिछले पांच दशकों में सबसे कम हो गई है। दूसरी तरफ कर्ज या सालाना वित्तीय देनदारी बढ़कर 5.8 फीसद हो गई, जो 2021-22 में 3.8 फीसद थी।

रिसर्च में सामने आया कि लोगों की आमदनी कम हो रही है, जबकि कर्ज बढ़कर दोगुने से अधिक यानी 15.6 लाख करोड़ पहुंच चुका है। कहा गया कि इस घरेलू बचत से निकासी का बड़ा हिस्सा भौतिक संपत्ति में चला गया है। केवल 7.1 लाख करोड़ रुपये आवास ऋण व अन्य खुदरा कर्ज के तौर पर बैंकों से लिया गया। कोविड महामारी के दौरान घरेलू ऋण व जीडीपी का अनुपात बढ़ा था, जिसमें गिरावट दर्ज की गई है।

वित्त मंत्रालय ने रजनीतिक हलकों व सोशल मीडिया पर लोगों की तीखी प्रतिक्रिया के बाद अपना पक्ष रखा। उन्होंने घरेलू बचत में गिरावट कारण लोगों का कर्ज लेकर ज्यादा घर व गाड़ियां लेना बताया। यह सच है कि नया मध्यवर्ग तेजी से बढ़ रहा है। जैसा कि सरकार दावा करती है गरीबी रेखा से लोग ऊपर उठते जा रहे हैं। ये सारे लोग अपना जीवन स्तर सुधारना चाहते हैं। देश में हर तीन में से एक भारतीय अभी मध्यवर्ग में आता है। कहा जा रहा है 2047 तक इनकी संख्या दोगुनी हो सकती है।

साथ ही उपभोक्तावाद अपने चरम पर है। लोगों में भौतिक सुविधाओं के प्रति आकषर्ण बढ़ता जा रहा है। इसलिए खुद को मध्यवर्ग में शामिल करने के लोभ में कर्ज लेकर सुविधाएं जुटाने में सहूलियत मान रहे हैं। यह भी सच है कि बैंकों व अन्य आर्थिक संस्थाओं पर कर्ज बांटने का दबाव भी बढ़ता जा रहा है। वे सुविधाजनक तरीके से कर्ज मुहैया कराने का प्रयास करते हैं। यह भी मानना होगा कि कोरोना महामारी ने लोगों के भीतर एक तरह की दहशत पैदा की है।

उन्हें जिंदगी जीने में अब देरी करना फिजूल लगने लगा है। मेहनत-मजदूरी करके अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलाने वाले कमजोर आय वर्ग वालों ने अपना भविष्य वयस्क बच्चों के कांधों पर डाल दिया है। जिनके बच्चे ठीक-ठाक नौकरी पा चुके हैं, वे भी अपना रहन-सहन बदल रहे हैं। बचत करने में माहिर रहा आम मध्य वर्ग संकट के लिए केवल रकम जोड़ कर नहीं रख रहा। बल्कि उन्होंने तरह-तरह के बीमा और अन्य निवेशों में जोखिम लेना भी चालू किया है।

चिंतन-मनन

ध्वनि तंरगों से रोगें का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तंरगें से भी रोगों के उपाच होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सूर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

महिला आरक्षण और जातीय जनगणना

सनत जैन

महिला आरक्षण बिल पास होने के बाद अब जातीय जनगणना की मांग जोर पकड़ने लगी है। बिहार सरकार पहले ही जातीय जनगणना कर चुकी है। अभी उसका खुलासा नहीं हुआ है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से जातीय जनगणना कराने की मांग की है। इसके पहले भी इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों द्वारा समय-समय पर जातीय जनगणना शुरू करने का दबाव केंद्र सरकार पर बना रहे है। महिला आरक्षण बिल दोनों सदनों से सर्वसम्मति से पास हो जाने के बाद, अब राजनीतिक दलों में जाति जनगणना का सरकार पर दबाव बनाकर चुनौती दी जा रही। लोकसभा चुनाव 2024 को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने महिला आरक्षण बिल लाकर महिलाओं के समर्थन पाने का जो सपना देखा था। किसी भी राजनीतिक दल द्वारा उसका विरोध नहीं किया गया। सभी राजनीतिक दलों ने महिला आरक्षण बिल का समर्थन करते हुए पिछड़ा वर्ग एसटी,एससी और अल्पसंख्यक को आरक्षण देने की मांग तेज कर दी है। हिंदुत्व की काट के लिए विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण में भी सभी वर्गों की महिलाओं को संसद और विधानसभा में उनकी संख्या के आधार पर अनुपातिक स्थान मिले। इसकी नई लड़ाई राजनैतिक दलों में शुरू हो गई है। राहुल गांधी ने संसद के अंदर भारत के 90 कैबिनेट सचिवों में से मात्र 3 सचिव पिछड़ा वर्ग के होने की बात कहकर पिछड़ा वर्ग का जो उत्पीड़न हो रहा है। इस पर सारे देश का ध्यान आकर्षित करते हुए पिछड़े वर्ग का समर्थन पाने की लड़ाई तेज कर दी है। पंचायती राज अधिनियम में जिस तरह से महिलाओं को वर्ग बार आरक्षण दिया गया है। इसी तरह का आरक्षण त्वरित रुप से लागू करने की मांग को लेकर सरकार और भाजपा पर दबाव बनाया जा रहा है। महिला आरक्षण बिल पास होने के बाद सभी राजनीतिक दलों की महिलाओं में एक नई स्फूर्ति देखने को मिल रही है। भारतीय जनता पार्टी में भी पिछड़े वर्ग के नेता और कार्यकर्ता सक्रिय हो गए हैं। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने भी महिला आरक्षण में पिछड़े वर्ग की महिलाओं को आरक्षण देने की मांग तेज कर दी है। मध्य प्रदेश में पिछड़े वर्ग की आबादी 50 फीसदी बताई जा रही है। इसको ध्यान में रखते हुए उन्होंने पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग करके अपनी ही पार्टी के ऊपर भारी दबाव बना दिया है। उमा भारती ने 50 फीसदी टिकटें पिछड़ों को देने की मांग कर भाजपा नेतृत्व के लिये परेशानी बढ़ा दी है। कांग्रेस और भाजपा ही नहीं वरन देशभर की सभी राजनीतिक पार्टियों में पिछड़े वर्ग को आरक्षण का लाभ दिलाने के लिए अब दबाव बनाना शुरू हो गया है। इसके साथ ही जाति आधार पर ध्रुवीकरण की एक नई राजनीतिक प्रक्रिया पूरे देश में शुरू हो गई है। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों का मानना है कि हिंदुत्व के नाम पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा जो खेल खेला जा रहा था। उसकी काट जाति जनगणना के माध्यम से ही पूरी की जा सकती है। 1990 के दशक में भी मंडल-कमंडल के माध्यम से यह प्रयास हुआ था। उसे समय मंडल के ऊपर कमंडल भारी पड़ गया था। मंडल के राजनीतिक दल एकजुट होकर नहीं रहे। कमंडल केवल भाजपा लेकर आगे बढ़ रही थी। राम मंदिर के नाम पर हिन्दुत्व का लाभ पिछले 30 वर्षों में भारतीय जनता पार्टी को मिला है। हिंदुत्व के नाम पर दलित, एसटी-एससी और आदिवासी भारतीय जनता पार्टी के बैनर तले आ गए थे। अब हिंदुओं के बीच में भी जाति के आधार और जाति आरक्षण के नाम पर एक नए बंटवारे की शुरूआत देश में विपक्षी गठबंधन इंडिया के राजनीतिक दलों ने कर दी है। यह ऐसे समय पर की गई है, जब महंगाई बेरोजगारी आर्थिक मंदी से लोगों में नाराजी हैं। सब अपने अपने हितों के संवर्धन तथा राजनीतिक दलों में अपनी हिस्सेदारी सरकार के पदों और सरकार के राजस्व पर हिस्सेदारी की मांग करने के लिए एकजुट हो रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी अभी सत्ता में है। निश्चित रूप से सारा गुस्सा उसी के ऊपर फूटेगा। हिंदुओं के मतों में बंटवारा होता है तो इसका नुकसान भी भाजपा को ही होने वाला है। महिला आरक्षण बिल का जो सांप पिटारे से निकल गया है। उसको नियंत्रित करने का मंत्र भारतीय जनता पार्टी जानती है या नहीं, यह कहना मुश्किल है। महिला आरक्षण बिल के साथ-साथ अब जाति जनगणना और सनातन के नाम पर हिंदुओं का जो बंटवारा होने जा रहा है। वह आने वाले चुनाव को प्रभावित करेगा। आगे चलकर यह नुकसान पहुंचाने वाला भी साबित होगा। अब सभी वर्ग अपने-अपने हितों की बात कर रहे हैं, जिसके कारण टकराव बढ़ता ही जा रहा है। सामाजिक वैमनस्य बढ़ रहा है। अभी एक धर्म विशेष के प्रति वैमनस्य था। अब यह सभी वर्गों में फैल रहा है।

वैश्विकी : 'सीमा पार दमन' का घेरा

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की हां में हां मिलाते हुए एक नया जुमला गढ़ा है- 'सीमा पार दमन'।

अब तक भारत पाकिस्तान के खिलाफ सीमा पार आतंकवाद शब्दावली का प्रयोग करता रहा है, लेकिन अब ब्लिंकन ने भारत को कठघरे में खड़ा करते हुए सीमा पार दमन शब्दावली का ईजाद किया है। जाहिर है कि वह कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को सीमा पार दमन की श्रेणी में रखते हैं। प्रधानमंत्री ट्रूडो की तरह ब्लिंकन ने निज्जर की हत्या के लिए भारत पर सीधे दोषारोपण नहीं किया, लेकिन उनका इशारा स्पष्ट था कि वह इस हत्या के लिए भारतीय एजेंसियों पर संदेह जाहिर कर रहे हैं। अमेरिका की यात्रा पर गए विदेश मंत्री एस. जयशंकर भारत के खिलाफ ब्लिंकन के इस पलाप का जवाब किस भाषा में देते हैं, यह देखना दिलचस्प होगा।

इस बीच अमेरिका और पश्चिमी देशों की मीडिया में भारत विरोधी दुष्प्रचार का नया दौर शुरू हो गया है। द न्यूयार्क टाइम्स, द इकोनॉमिस्ट और टाइम मैगजीन जैसे पत्र-पत्रिकाएं निज्जर की हत्या के लिए भारतीय एजेंसियों को दोषी ठहरा रही हैं। आश्चर्य की बात है कि इनमें से बहुत से लेख भारतीय या भारतीय मूल के लोगों के द्वारा लिखे गए हैं। भारत की मीडिया में आतंकवादी निज्जर की हत्या को लेकर प्रायः एक जैसी राय है कि ट्रूडो के आरोप निराधार और शरारतपूर्ण हैं। मोदी सरकार का विरोध करने वाले समीक्षक भी ट्रूडो के आरोपों को खारिज करते हैं।

भारतीय मीडिया में पश्चिमी देशों के पाखंड और दोहरी नीति की तीखी आलोचना की जा रही है। इतना ही नहीं बल्कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के साथ ही ब्रिटेन और कनाडा की एजेंसियों के काले-कारनामों की बखिया उधेड़ी जा रही है। इन एजेंसियों को खालिस्तानी आंदोलन, तमिल टाइगर के खूनी संघर्ष और पूर्वोत्तर भारत में पृथकतावादी आंदोलनों से जोड़ा जा रहा है। एक प्रमुख समाचारपत्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत के शीर्ष खुफिया अधिकारी (अजित डोभाल) ने सीआईए प्रमुख को आतंकवादी पैरोकार गुरपतवंत सिंह पन्नू को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। यह भी संदेह व्यक्त किया गया कि पन्नू सीआईए का एजेंट हो सकता है।

इस पूरे विवाद में अमेरिका के सामने धर्मसंकट की स्थिति है। उसके वास्तविक चेहरे और चरित्र का पदार्फाश हो सकता है। फिलहाल, पश्चिमी देशों में इस बात को लेकर बहस हो रही है कि भारत और कनाडा में से यदि एक का चुनाव करना हो तो अमेरिका किसका पक्ष लेगा। दुनिया में पांच देशों (फाइव आइज) का एक मजबूत लेकिन अघोषित गठबंधन है। ये देश हैं-अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड। इन देशों को 'व्हाइट एंग्लो सेक्सन प्रोटेस्टेंट' (वास्प देश) माना जाता है। यह रक्त संबंधी भाईचारा है, जिसे आलोचक नस्लवादी गठबंधन करार देते हैं। इन देशों के रणनीतिक और सुरक्षा हित एक जैसे हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री ट्रूडो के आरोप कितने भी हास्यास्पद क्यों न हों, अमेरिका कनाडा का ही साथ देगा। हालांकि समीक्षकों का एक छोटा वर्ग मानता है कि चीन का मुकाबला करने के लिए अमेरिका को भारत की आवश्यकता है। वह भारत की नाराजगी मोल नहीं लेना चाहेगा। इन हालात में संभावना यही है कि अमेरिका दोनों देशों के बीच मेल-मिलाप की कोशिश करेगा।

बहुत कुछ इस बात पर निर्भर है कि कनाडा आने वाले दिनों में अपने यहां खालिस्तानी तत्वों के बारे में कैसा रवैया अपनाता है। खालिस्तानी तत्वों ने अगले कुछ दिनों में भारतीय उच्चायोग और वाणिज्य दूतावासों के समक्ष विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। कनाडा सरकार इन भारत विरोधी गतिविधियों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मानती है। मोदी सरकार के तेवरों से स्पष्ट है कि भारत अब इन शरारतपूर्ण कार्रवाइयों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

विदेश मंत्रालय ने कनाडा को आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह की संज्ञा दी है। अब तक यह तमगा पाकिस्तान को हासिल था। कनाडा ही नहीं बल्कि अमेरिका को भी अब यह तय करना होगा कि क्या वे अपने भौगोलिक क्षेत्र में एक पाकिस्तान का निर्माण करने का जोखिम उठा सकते हैं।

गरीबों को छेड़ना नही माफियाओं को छोड़ना नहीं, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

राशन का वितरण सिस्टम से हो, अनुमन्य राशन पात्र गरीबों को जरूर मिले

हर घर जल योजना का लाभ प्रत्येक पंचायत को मिले, यह सुनिश्चित हो, कमेटी गठित कर हुए कार्य की जाँच कराया जाए, कार्य गुणवत्तापूर्ण हो

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा रविवार को जनपद अमरोहा भ्रमण के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई । इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने सभी महत्वपूर्ण विभागों से एक–एक करके जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया । उपमुख्यमंत्री ने विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए जनपद मुख्यालय , ग्रामीण,व तहसील में विद्युत सप्लाई की स्थिति की जानकारी लिया । कहा कि जो निर्धारित समय है ,उसके अनुसार ही विद्युत की सप्लाई की जानी चाहिए। बिजली की कटौती पर रोक लगनी चाहिए ,जो विभाग के अधिकारी और संविदा कर्मचारी द्वारा बिजली विभाग की छवि धूमिल हो कर रहे हैं ,उन पर कार्यवाही किया जाए लापरवाह संविदा कर्मियों की सेवाएं समाप्त किया जाए । यह सुनिश्चित हो कि किसी भी व्यक्ति का नुकसान ना हो ।उत्पीड़न किसी का नहीं होना चाहिए । बिजली काजो भी लाइनसास हो रहा है उसकी समीक्षा किया जाए । उपमुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के ट्यूबवेल के बिल की माफ की घोषणा सरकार द्वारा कर दी गई है ,किंतु फिर भी संज्ञान में आया है कि विभाग द्वारा किसानों के ट्यूबवेल कनेक्शन काट दिए गए हैं, जिन किसानों के कनेक्शन काटे गए हैं, उनको जोड़ा जाए ।बिल जमा न होने पर उनके कनेक्शन काटा न जाय । कहा कि बिजली विभाग और पुलिस दोनों संयुक्त रूप से किसी भी त्यौहार में हो, विद्युत संबंधी कोई भी दिक्कत ना हो इसके लिए कार्य करें ।त्योहारों में बिजली संबधी कोई भी लापरवाही ना हो, यह सुनिश्चित हो । उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद में जहां पर भी बिजली उप केंद्र बनाने के लिए कार्यवाही चल रही है, उसे पर गंभीरता के साथ कार्य किया जाए शासन स्तर पर यदि लंबित है। पत्राचार के माध्यम से धन की मांग कर जल्द से जल्द कार्यवाही प्रारंभ किया जाए । उपमुख्यमंत्री ने गौ आश्रय स्थल के संबंध में निर्देशित करते हुए कहा कि कताई मिल गौशाला के क्रियाकलापों की कमेटी बनाकर जांच किया जाए । जनपद में सभी 18 गौ आश्रय स्थलों का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाए । गौ आश्रय स्थलों की देखरेख प्राथमिकता से किया जाय। कहा की खंड विकास अधिकारी पशुपालन विभाग, जो भी गोवंश छुट्टा घूम रहे हैं ,अभियान चलाकर गौशालाओं में शिफ्ट किया जाए । जो लोग गायों को अंधेरे में सड़कों पर छोड़ देते हैं, उन पर निगरानी रखा जाए और उन्हें गौ आश्रय स्थल तक पहुंचाया जाए। उप मुख्यमंत्री ने निर्देशित करते हुए कहा कि तालाब, गोचर ,ग्राम समाज वन विभाग व अन्य सरकारी जमीन की जितनी भी भूमि है उस पर अगर भू माफियाओं द्वारा कब्जा किया गया है तो अभियान चलाकर खाली कराया जाए । कहा कि यह सुनिश्चित हो कि कहीं पर भी इन सब मे अवैध कब्जा ना हो। जनपद के सभी चकमार्गों को अभियान चलाकर खाली कराया जाए ,यह भी सुनिश्चित हो कि यदि किसी भी गरीब व्यक्ति द्वारा कब्जा किया गया है ,तो उसके साथ शालीनता से व्यवहार कर वैकल्पिक मार्ग अपनाया जाए ,गरीब को सताया न जाय । यह ध्यान देना है कि गरीब को छेड़ना नहीं है और माफिया को छोड़ना नहीं है ।तालाब नदी को संरक्षित किया जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तिगरी गंगा धाम में इलेक्ट्रिक शवदाह ग्रह के लिए प्रस्ताव भिजवाया जाए और निर्माण कार्य के लिए प्रकिया प्रारम्भ किया जाए, यह कार्य जन कल्याण व गरीब से जुड़े हुए लोगों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है । शवदाह गृह हर हाल में बनवाया जाएगा । उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जो गेस्ट हाउस की जमीन के लिए आज पत्थर का अनावरण किया गया है, वह उपयुक्त नहीं है, एक टीम बनाकर पीडब्ल्यूडी के अधिकारी उचित लोकेशन में जमीन का चिन्हित कर गेस्ट हाउस बड़ा बनाया जाए। इसके लिए बड़ी जगह का चिन्हित किया जाए । जल जीवन मिशन के संबंध में अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देशित करते हुए कहा कि पाइपलाइन बिछाने के तहत जो सड़क तोड़ी गई है, वह हर हाल में सही कर दिया जाए। कहा कि हर घर जल योजना से आच्छादित होने वाला भारत पहला देश है, इसको गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक पंचायत को हर घर जल योजना का लाभ दिया जाए । कहा कि एक टीम बनाकर हर घर जल योजना के कार्यों की जांच कराई जाए पाइपलाइन जितनी गहराई पर बिछाई जानी है, वह बिछाई जा रही है या नहीं चालू हो गई या नहीं जो चालू हो गई है, वहां पर पानी पहुंचने लगा है या नहीं इसकी जांच कराई जाए। कहा कि जल संरक्षण के लिए भी कार्य किया जाए। जन जागरण के द्वारा लोगों को जागरूकता फैलाई जाए। जल की एक–एक बूंद को बचाने के लिए कार्यवाही किया जाना चाहिए। वाटर रिचार्ज के लिए एक मॉडल तैयार किया जाए ,एक प्लान बनाया जाए । मुख्य चिकित्सा अधिकारी को मेडिकल कॉलेज और ट्रामा सेंटर जनपद में बनाए जाने के लिए शासन स्तर पर पत्र भिजवाये जाने के निर्देश दिया । कहा कि डॉक्टरों की व स्टाफ की जो कमी है, उसको पूर्ण किया जाए ,विशेषज्ञ डॉक्टर की मांग किया जाए, चिकित्सालय में मैन पावर की कमी नहीं रहना चाहिए । उन्होंने कहा कि जो हेल्थ एटीएम स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच के लिए लगाए गए हैं वह केवल फोटो के लिए ही ना हो, चालू रहना चाहिए, उन पर लगातार चेकिंग की जानी चाहिए, चालू स्तर पर मिलना चाहिए। किसी भी चिकित्सालय में दवाओं की कमी नहीं मिलनी चाहिए ,यह सुनिश्चित हो। आयुष्मान योजना के तहत 6 यूनिट प्लस वालों की जो समस्या है उसका समाधान किया जाए सभी पात्र व्यक्तियों के गोल्डन कार्ड अवश्य बनवाया जाए कोई भी पात्र लाभार्थी छोड़ना नहीं है । जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित करते हुए राशन का वितरण ठीक से हो सभी पात्र व्यक्तियों को शासन द्वारा अनुमन्य राशन मिलना चाहिए । जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कि बिना मान्यता को जो विद्यालय चल रहे हैं, उनकी समीक्षा किया जाए और उन पर आवश्यक कार्यवाही किया जाय । बच्चों के यूनिफॉर्म का कार्य समूह से कराया जाए, यह प्रयास अच्छा होगा और सस्ता रहेगा और समूह की भी इनकम बढ़ सकेगी । अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देशित करते हुए कहा कि गड्ढा मुक्ति का कार्य जनपद में अभियान चलाकर किया जाना चाहिए, जो सड़के खराब हैं, उनको चिन्हित कर उन पर कार्यवाही प्रारंभ किया जाए ,ऐसा कोई कार्य नहीं करना है, जिससे सरकार की छवि धूमिल हो सके । कहा कि सभी विभाग नवाचार करें ,कुछ ना कुछ नवाचार दिखना चाहिए। निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों की शिकायतों को प्राथमिकता से निस्तारण हो ,कहीं भी शिकायत नहीं मिलनी चाहिए । भ्रष्टाचार मुक्त भारत ,प्रदेश व जनपद को बनाना होगा कहीं भ्रष्टाचार की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। अगली बैठक तक सभी समस्याओं का निस्तारण हो जाए कोई भी शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। कहा कि आईजीआरएस की शिकायत की उच्च अधिकारी द्वारा जांच रिपोर्ट लगाई जाए शिकायतकर्ता को संतुष्टि मिलना चाहिए , निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दें । पीएम विश्वकर्म योजना के संबंध में निर्देशित करते हुए कहा कि यह गरीबों के कल्याण के लिए बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है, जिसमें एक लाख का लोन गरीबों को दिया जाना है, इसका अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर लोगों को लाभ दिया जाए ।यह एक ऐतिहासिक योजना है ।वृद्धावस्था, दिव्यांग व विधवा पेंशन के जो लाभार्थी हैं ,उनको समय से पेंशन मिल जाए और कैंप लगाकर नए लाभार्थियों को भी चिन्हित किया जाए । समीक्षा बैठक के पश्चात उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना ,आयुष्मान कन्या सुमंगला योजना ,एक जनपद –एक उत्पाद सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किया । उपमुख्यमंत्री ने कलेक्ट परिसर में वृक्षारोपण किया ,तत्पश्चात कलक्ट्रेट परिसर में ज्योतिबा फुले जी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित किये उपमुख्यमंत्री द्वारा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं व अन्न(मोटे अनाज) से सम्बन्धित लगाई गई प्रदर्शनी का भी फीता काटकर कर उद्घाटन किया व अवलोकन कर आवश्यक बिंदुओं से विभागीय अधिकारियों से जानकारी लिया । इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा आयोजित गोद भराई कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को पूरक पोषाहार की पोटली को वितरित कर उनके उज्जवल भविष्य व उत्तम स्वास्थ्य की कामना किया । उप मुख्यमंत्री ने पंचायती राज विभाग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन अभियान के दृष्टिगत 11 कूड़ा गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर संजय सिंह गंगवार प्रभारी मंत्री जनपद अमरोहा, सतपाल सिंह सैनी सदस्य विधान परिषद, महेंद्र सिंह खड़कवंशी विधायक हसनपुर, राजीव तरारा विधायक धनौरा, डॉक्टर हरी सिंह ढिल्लो शशि जैन अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, उदयगिरि गोस्वामी जी, पूर्व सांसद अमरोहा कंवर सिंह तंवर , देवेंद्र नागपाल , अध्यक्ष माटी कला बोर्ड ओम प्रकाश गोला , जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी , पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह , मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र , अपर जिला अधिकारी वित्त राजस्व सुरेंद्र सिंह , अपर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार, परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सहित अन्य संबंधित अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

महिला से दुष्कर्म का वांछित आरोपी गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। गोमती नगर विस्तार पुलिस टीम दुष्कर्म के आरोप में फरार चल रहे दुष्कर्मी को रविवार को उसके घर से गिरफ्तार कर दर्ज मुकदमे में कार्यवाई कर जेल भेज दिया है। गोमती नगर विस्तार थाना प्रभारी सुधीर अवस्थी ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा महिला संग दुष्कर्म मामले में फरार चल रहे आरोपी दुष्कर्मी को रविवार को उसके घर से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के पूछताछ में दुष्कर्मी ने अपना परिचय विशाल कुमार पुत्र राजपाल निवासी भटखेरवा थाना मलिहाबाद जिला लखनऊ हाल पता मकान संख्या 400ध्63 बर्फखाना मंजू टण्डन ढाल ठाकुरगंज लखनऊ के रूप में दिया है। आरोपी केजीएमयू अस्पताल में एम्बुलेंस चालक था जिसके खिलाफ दर्ज मुकदमे में कार्यवाई कर जेल भेज दिया गया है।

पीएल पुनिया के नेतृत्व में ब्लश्वक कांग्रेस कमेटी का किया गया गठन

संवाददाता गंगाचरण बाराबंकी।

खबर दृष्टिकोण बाराबंकी। त्रिवेदीगंज बाराबंकी जिला अध्यक्ष विजयपाल गौतम अनुसूचित विभाग द्वारा त्रिवेदीगंज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अनुसूचित विभाग का किया गठन जिसका अनुमोदन पीएल पुनिया द्वारा किया गया जिसमें सुरेश कुमार अध्यक्ष अखिलेश कुमार अनिल कुमार दशरथ वसोनू गौतम उपाध्यक्ष शिव संतोष धर्मेंद्र कुमार सुनील कुमार दयाराम महासचिव तथा भवानी दिन रावत राजकुमार गौतम दीपक अटल बिहारी रामराज विजय कुमार राम सिंह ब्लॉक सचिव व दहिला शिव शंकर शिव नाम राकेश कुमार रामनगर पवन कुमार त्रिवेदीगंज अंशु रावत खैरा कंकू रामशरण बहुता मो ल हे वह भील व ल राजकुमार गौतम आदि को न्याय पंचायत अध्यक्ष मनोनीत किया गया।

शातिर चोर समेत कबाड़ी को भेजा जेल,माल बरामद

(मोहनलालगंज के डीएलएफ गार्डेन सिटी में स्थित निमार्णधीन व बंद घरो से टोटिया व सामान हो रहा था चोरी,शातिर चोर व कबाड़ी को गिरफ्तार,माल बरामद कर भेजा जेल)

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज के डीएलएफ गार्डेन सिटी में स्थित निर्माणाधीन व बंद घरो से टोटियों समेत कीमती सामान चुराने वाले शातिर चोर समेत

कबाड़ी को गिरफ्तार कर पुलिस ने सामान बरामद किया। पीड़ित मकान मालिक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने शातिर चोर समेत कबाड़ी को जेल भेज दिया। इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्या ने बताया क्षेत्र के डीएलएफ गार्डेन सिटी के अंदर स्थित डी–251 मकान जो बंद पड़ा था,उसके अंदर घुसकर कीमती टोटिया चोरी करते हुये एक शातिर चोर को सुरक्षागार्ड ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था,पुछताछ में चोर ने अपना नाम विमलेश यादव निवासी लालूहार जिंदौर थाना रहीमाबाद बताते हुये बंद मकानो को निशानाध बनाकर कीमती टोटिया व बिजली के तारो समेत अन्य सामान चोरी कर कबाड़ी सुभाष कश्यप निवासी शक्तिपुरम कालोनी थाना सरोजनीनगर को बेचने की बात कही,जिसके बाद पुलिस ने कबाड़ी को गिरफ्तार कर उसके पास से तीनध कीमती टोटियों समेत एक व डेढ एमएम के चार बंडल तार बरामद किये। मकान मालिक की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर बरामद माल के साथ चोर व कबाड़ी को रविवार को न्यायालय में पेश किया,जहां से दोनो को जेल भेज दिया गया।

एक माह में 12 बर्खास्त, 09 निलंबित व अनेकों का तबादला

– कार्यशैली नहीं सुधारी, तो कार्रवाईयां अभी शेष हैं: ए.के. शर्मा

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। बिजली अब हर नागरिक की आवश्यकता ही नहीं उसका अधिकार भी है। प्रदेश की जनता को इस अधिकार से लाभान्वित करने में ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा लगातार प्रयासरत रहते हैं। जहाँ एक ओर मंत्री शर्मा विद्युत आपूर्ति में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए विभागीय अधिकारियों से लेकर कार्मिकों तक के साथ लगातार कंधे से कन्धा मिलाकर काम कर रहे हैं। तो वहीं दूसरी ओर इस आवश्यक सेवा को जनता तक पहुंचाने में बाधा डालने व भ्रष्टचार कर लोगों को परेशान करने वाले विद्युतकार्मिकों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करने में भी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। विभाग की बदनामी करा रहे ऐसे कार्मिकों पर पिछले एक माह में ऊर्जा मंत्री ने कई सख्त कार्रवाइयां भी की हैं। मंत्री शर्मा ने विभाग के हित में किए जा रहे कार्यों को बोझ समझने वाले और बेईमानीपूर्ण कार्यों से विभाग का बंटाधार करने वाले दोषी कर्मियों पर व्यापक कार्रवाई की है। जिसमें उन्होंने बताया कि पिछले माह में दी गई चेतावनी के बाद भी अपनी कार्यशैली में सुधार न करने वाले कार्मिकों में 12 को बर्खास्त, 12 को निलंबित व अनेकों का तबादला किया गया है। जिसमें पूर्वांचल में 03, मध्यांचल में 06, दक्षिणांचल में 03 सहित 12 संविदा कर्मियों को बर्खास्त कर उनकी सेवाएं समाप्त की गई। इसमें –

1. एक अधिशासी अभियंता (EE) को निलंबित किया गया
2. 6 अवर अभियंता (AE) को निलंबित किया गया
3. 3 टीजी–2 को निलंबित किया गया
5. एक उपखण्ड अधिकारी (SDO) को निलंबित किया गया
6. एक संविदा कर्मी को भी निलंबित किया गया ।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि पारदर्शिता और कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने से ही विद्युत व्यवस्था में सुधार किया जा सकता है। इमानदारी से कार्य करने वालों की हमेशा सराहना होगी, तो वहीं कार्य में बाधा डालने या भ्रष्टाचार से विभाग की बदनामी कराने वालों के विरुद्ध कार्रवाई भी निश्चित होगी।

समाजसेवी ने गरीब बच्चो के साथ केक काटकर मनाया जन्मदिन

सिसेंडी के उत्तरगांव में स्थित म फार सेवा संस्थान के गरीब बच्चो के साथ युवा समाजसेवी अविचल शुक्ला ने मनाया अपना जन्मदिन,बच्चो के साथ केक काटकर खिलाया खाना

मोहनलालगंज। जन्मदिन मनाने का शौक किसे नहीं होता,कोई अपना जन्मदिन विदेश में मनाता है,कोई फाइव स्टॉर होटल में में तो कोई घर में रिश्तेदारों और दोस्तों को बुलाकर। बहुत कम लोग होते है जो अपना जन्मदिन दीन दुनिया से दूर ऐसे लोगों के साथ मनाते है जो गरीब होते है ओर थोड़ी सी खुशी के लिए भी तरसते है ।युवा व्यवसायी व समाजसेवी अविचल शुक्ला ने अपना जन्मदिन गरीब बच्चों को समर्पित करते हुये रविवार को सिसेंडी के उत्तरगांव में स्थित अखिल भारतीय सेवा संस्थान में पहुंचकर वहा रहने वाले गरीब बच्चों के साथ मिलकर केक काटा और अपने हाथ से इन बच्चों को खाना परोसकर खिलाने के साथ चॉकलेट व टॉफियां दी ।आश्रम में रहने वाले बच्चो को अच्छा खाना व प्यार मिला तो उनकी खुशी का ठिकाना नही रहा ओर धन्यवाद दिया ।युवा व्यवसायी अविचल शुक्ला ने कहा कि अपने लिए तो हर कोई जीता है लेकिन जीवन का असली मजा तो दूसरों के लिए जीना है। उन्होनें कहा कि अगर संपन्न परिवार के लोग अपने जीवन में से थोड़ा सा समय निकालकर इन बच्चों के साथ बिताएगें तो उन्हे खुशी मिलेगी ।उन्होने कहा कि में भगवान का शुक्रिया अदा करना चाहता हुं कि उसने मुझे इस काबिल बनाया कि में इन बच्चों के चेहरे पर थोड़ी खुशी ला पाया ।इस मौके पर संस्थान की संचालिका तत्व ज्ञानानंद सरस्वती,अनुपम मिश्रा, निश्चल शुक्ला,अभय सिहं,अभिषेक तिवारी,एडवोकेट हिमांशु तिवारी,आदित्य गुप्ता, पुनीत सिंह,शिवा मिश्रा मौजूद रहें।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने आयुष्मान मेले का किया उद्घाटन।

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ समेत जनपद के सभी शहरी एवं ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को आयुष्मान मेला आयोजित किया गया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने चंदन नगर सीएचसी का भ्रमण कर आयुष्मान मेले का उद्घाटन किया । इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज अग्रवाल, सीएचसी अधीक्षक डा. शाहिद रजा, सीएचसी का स्टाफ सहित बड़ी संख्या में लाभार्थी मौजूद रहे । इस मौके पर उन्होंने कहा कि आयुष्यमान मेले आयोजित करने का उद्देश्य हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं की जानकारी देना है। लोगों को स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं की जितनी ज्यादा जानकारी होगी वह खुद से ही उन योजनाओं को लेने के लिए आगे आएंगे। इसलिए इन मेलों के माध्यम से अधिक से अधिक स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का प्रचार प्रसार करें। दो साल से अधिक समय से पीएचसी पर मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेले आयोजित हो रहे हैं। इन मेलों के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाएं लोगों को उनके घर के समीप ही मुहैया कराई जा रही हैं।

3,519 किलोमीटर जर्जर तार बदले, 333 cKM कृषि/लो वोल्टेज फीडर अलग किये और 232 किमी की नई एलटी लाइन बिछाई गई

– दोषी कर्मियों पर सख्त कार्रवाई में 12 बर्खास्त, 9 निलंबित व अनेकों का हुआ तबादला

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा प्रदेश में विद्युत व्यवस्था के सुधार एवं आपूर्ति को लेकर बहुत ही सजग रहते हैं। जर्जर विद्युत् व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त करने और निर्बाध आपूर्ति को लेकर उर्जा मंत्री विभागीय बैठकों के साथ ही निक्षिण कर स्वयं निगरानी करते हैं। मंत्री शर्मा विभिन्न माध्यमों से प्राप्त उपभोक्ता की शिकायतों को भी गंभीरता से लेते हुए उनका निपटारा कर रहे हैं। वहीं समय–समय पर अव्यवस्था और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए महज एक माह में 12 को बर्खास्त, 12 को निलंबित व अनेकों का तबादला भी किया है। ऊर्जा मंत्री की इन कार्रवाइयों और गुड गवर्नेंस की कार्यशैली से प्रदेश की जनता का सरकार के प्रति विश्वास और भी मजबूत हो रहा हैं। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने ट्वीट कर विद्युत तंत्र को सुदृढ़ कर निर्बाध बिजली देने के लिए युद्ध स्तर पर हो रहे कार्यों के लिए विद्युत कर्मियों को धन्यवाद भी देते हैं। मंत्री शर्मा ने बताया कि वर्तमान में कई योजनाएं चल रही हैं, जिसमें से रीवैम्प अथवा आरडीएसएस योजनान्तर्गत सितम्बर माह के 21 दिनों में काम की गति लगातार बढ रही है। जिसमें बांस–बल्ली पर चल रही विद्युत व्यवस्था को सुधारते हुए 66,958 नये खंभे लगाए गए हैं। वहीं करीब 3,519 किलोमीटर जर्जर तार भी बदले गये हैं। 333 बज्रड कृषिध्लो वोल्टेज वाले फीडर अलग किये गए हैं और 232 किमी की नई एलटी लाइन भी बिछाई गई है।

एक माह में विद्युत विभाग के दोषी कर्मियों पर हुई सख्त कार्रवाई

ऊर्जा मंत्री की चेतावनी के बाद एक महीने में बिजली विभाग के दोषी कर्मियों पर सखघ्त कार्यवाही की गयी है जिसमें 12 को बर्खास्त, 12 को निलंबित व अनेक का तबादला किया गया है। जिसमें पूर्वांचल में 3, मध्यांचल में 6, दक्षिणांचल में 3 सहित 12 संविदा कर्मियों को बर्खास्त कर उनकी सेवाएं समाप्त की गई।

1. एक अधिशासी अभियंता (EE) को निलंबित किया गया
2. 6 अवर अभियंता (AE) को निलंबित किया गया
3. 3 टीजी–2 को निलंबित किया गया
4. एक उपखण्ड अधिकारी (SDO) को निलंबित किया गया
5. एक संविदा कर्मी को भी निलंबित किया गया

सितम्बर माह के 20 दिनों में पौने 2 लाख से अधिक घर हुए बिजली से रौशन

ऊर्जा मंत्री ने ट्वीट कर लिखा कि वर्तमान में संचालित विद्युत परिवार आपके द्वार कार्यक्रम के बारे में बताया। उन्होंने लिखा कि इसके तहत हम सब आपकी विशेष सेवा में लगे हैं और विद्युत व्यवस्था के सुधार में युद्ध स्तर पर कार्य हो रहे हैं। मंत्री श्री शर्मा ने बिजली कनेक्शन देने के मामले में ट्वीट के माध्यम से बताया कि सितम्बर 2023 की बात करें तो मात्र 20 तारीख को ही 18,955 नए कनेक्शन दिए गए। वहीं सितम्बर माह के प्रथम 20 दिन में कुल 1,75,763 नए कनेक्शन दिए गए हैं। वहीं इस वित्तीय वर्ष में कुल 7,14,510 उपभोक्ताओं को विद्युत व्यवस्था से जोड़ा गया है।

विनायक चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश को समर्पित है। यह पर्व हिन्दू धर्म के मानने वालों का मुख्य पर्व है। विनायक चतुर्थी को गणेशोत्सव के रूप में सारे विश्व में हर्षोल्लास व श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। भारत में इसकी धूम यूं तो सभी प्रदेशों में होती है, परन्तु विशेष रूप से यह महाराष्ट्र में मनाया जाता है।

गणेशोत्सव

विनायक चतुर्थी के उत्सव को सम्पूर्ण महाराष्ट्र का मुख्य पर्व भी कहा जा सकता है। इस दिन लोग मौहल्लों और चौराहों पर प्रथम पूज्य भगवान गणेशजी की मूर्ति की स्थापना करते है। आरती और भगवान श्री गणेश के जयकारों से सारा माहौल गुंज रहा होता है। इस उत्सव का अंत अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश की मूर्ति समुद्र में विसर्जित करने के बाद होता है।

कथा

गणेश चतुर्थी व्रत को लेकर एक पौराणिक कथा प्रचलन में है। इस कथा के अनुसार एक बार भगवान शंकर और माता पार्वती नर्मदा नदी के निकट बैठे थे। वहां देवी पार्वती ने भगवान भोलेनाथ से समय व्यतीत करने के लिये चौपड़ का खेल खेलने को कहा। भगवान शंकर चौपड़ खेलने के लिये तैयार तो हो गये, परन्तु इस खेल मे हार-जीत का फैसला कौन करेगा? इसका प्रश्न उठा, इसके जवाब में भगवान भोलेनाथ ने कुछ तिनके एकत्रित कर उसका पुतला बनाकर, उस पुतले की प्राण प्रतिष्ठा कर दी और पुतले से कहा कि- 卐बेटा हम चौपड़ खेलना चाहते है, परन्तु हमारी हार-जीत का फैसला करने वाला कोई नहीं है। इसलिये तुम बताना की हम में से कौन हारा और कौन जीता।

चौपड़ का खेल

यह कहने के बाद चौपड़ का खेल प्रारम्भ हो गया। खेल तीन बार खेला गया, और संयोग से तीनों बार पार्वती जी जीत गईं। खेल के समाप्त होने पर बालक से हार-जीत का फैसला करने के लिये कहा गया, तो बालक ने महादेव को विजयी बताया। यह सुनकर माता पार्वती क्रोधित हो गईं और उन्होंने क्रोध में आकर बालक को लंगडा होने व कीचड़ में पड़े रहने का श्राप दे दिया। बालक ने माता से माफ़ी मांगी और कहा- मुझसे अज्ञानता वश ऐसा हुआ, मैनें किसी द्वेष में ऐसा नहीं किया।卐 बालक के क्षमा मांगने पर माता ने कहा- यहाँ गणेश पूजन के लिये नाग कन्याएं आयेंगी, उनके कहे अनुसार तुम गणेश व्रत करो, ऐसा करने से तुम मुझे प्राप्त करोगे। यह कहकर माता पार्वती भगवान शिव के साथ कैलाश पर्वत पर चली गई।

गणेश का प्रसन्न होना

ठीक एक वर्ष बाद उस स्थान पर नाग कन्याएं आईं। नाग कन्याओं से श्री गणेश के व्रत की विधि मालुम करने पर उस बालक ने 21 दिन लगातार गणेश जी का व्रत किया। उसकी श्रद्धा देखकर भगवान गणेश प्रसन्न हो गए और उन्होंने बालक को मनोवांछित फल मांगने के लिये कहा। बालक ने कहा- हे विनायक! मुझमें इतनी शक्ति दीजिए, कि मैं अपने पैरों से चलकर अपने माता-पिता के साथ कैलाश पर्वत पर पहुंच सकूं और वो यह देख प्रसन्न हों।卐 बालक को यह वरदान देकर भगवान गणेश अन्तर्धान हो गए। बालक इसके बाद कैलाश पर्वत पर पहुंच गया और वहाँ पहुंचने की कथा उसने भगवान महादेव को सुनाई। उस दिन से पार्वती जी शिवजी से विमुख हो गईं। देवी के रुष्ठ होने पर भगवान शंकर ने भी बालक के बताये अनुसार गणेश का व्रत 21 दिनों तक किया। इसके प्रभाव से माता के मन से भगवान भोलेनाथ के लिये जो नाराजगी थी, वह समाप्त हो गई।

भगवान गणेशजी ही प्रथम पूज्य क्यों?

एक बार कार्तिकेय व गणेशजी में होड़ लगी कि सबसे बुद्धिमान कौन? तब भगवान भोलेनाथ जी ने कहा जो पृथ्वी के सात चक्कर लगाकर सबसे पहले लौट कर आएगा वह बुद्धिमान व प्रथम पूजनीय होगा। गणेशजी भारी भरकम थे। वाहन भी चूहा व कार्तिकेय उत्तम वजन के थे और उनका वाहन मोर। स्वामी कार्तिकेय चल पड़े। गणेशजी सोचने लगे। गणेशजी ने सोचा माता-पिता ही जन्मदाता है तो सबसे महान वही हुए। उन्हीं के सात चक्कर लगा लिए और खड़े हो गए।

कार्तिकेय भी आ पहुंचे। जब निर्णय की बारी आई तो भगवान आशुतोषजी ने कहा कि गणेश बुद्धिमान व श्रेष्ठ हैं, क्योंकि माता-पिता ही समस्त तीर्थों से बड़े होते हैं। तभी से भगवान गणेशजी को सब देवताओं से पहले पूजा जाता है एवं हर मागंलिक कार्य में श्रीगणेश जी का ही पूजन स्मरण व स्थापना की जाती है। इससे हमें सीख मिलती है कि जो अपने माता-पिता की सेवा करता है, उन्हें सब तीर्थों का फल मिल जाता है। फिर वह तीर्थयात्रा करें या ना करें।

हर बाधा दूर करते हैं श्रीगणेश

प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी की मूर्ति के रूप में पूजा जाता था। हल्दी को मंगलकारी, धन व ज्ञान का प्रतीक माना जाता था। जिस देवता की स्तुति इन शब्दों से की जाती हो, ऐसे पूजनीय रिद्धि-सिद्धि के स्वामी विघ्नहर्ता के जप में हर शुभ मांगलिक कार्य व पूजन में सर्वप्रथम पूजे जाने वाले भालचंद्र यानी श्रीगणेश जी वैवाहिक कार्यों में भी सर्वप्रथम न सिर्फ पूजनीय हैं, अपितु वैवाहिक निमंत्रणों में निमंत्रित किए जाने वाले प्रथम अतिथि भी हैं। समस्त मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजनीय होने व हर विघ्न और कष्ट को दूर करने की उनकी महत्ता के कारण ही मंगलमूर्ति भी कहे जाते हैं।

यह माना जाता है कि श्रीगणेश जी समस्त दिशाओं में उपस्थित हैं एवं उनके पूजन के साथ शुरू किया गया कोई भी कार्य निर्विघ्न रूप से पूर्ण होता है। अतः सबसे पहले उनकी स्तुति व पूजन कर कार्य शुरू किए जाते हैं। चाहे वैवाहिक कार्यक्रम हो अथवा गृह प्रवेश सभी में श्रीगणेश जी को याद किया जाता है। यहां तक कि वैवाहिक व अन्य मांगलिक कार्यों के विभिन्न चित्र सर्वप्रथम अंकित किए जाते हैं अथवा उनकी स्तुति से निमंत्रण-पत्र का आरंभ होता है। हमारे समाज में प्राचीन समय से यह मान्यता रही है कि श्रीगणेश जी के पूजन से शुरू किए गए कार्य में कभी कोई बाधा नहीं आती और कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न होता है। श्रीगणेश को समस्त गणों का अधिपति माना जाता है और इसी वजह से वे गणपति के नाम से भी जाने जाते हैं।

गणेश जी के मांगलिक कार्यों में प्रथम पूजन को लेकर यह कथा प्रचलित है कि एक बार समस्त देवी-देवताओं को पृथ्वी का चक्कर लगाने को कहा गया, किंतु श्रीगणेश जी अपने भारी शरीर व छोटे से वाहन मूषक के कारण दुविधा में थे कि वे चक्कर कैसे पूर्ण करें। उन्होंने अपनी बुद्धि का उपयोग करते हुए माता-पिता पार्वती व शिवजी की परिक्रमा कर ली और सभी के पूछने पर कारण बताया कि माता-पिता तो समस्त संसार के तुल्य हैं। वे ब्रह्मा के सहायक हैं, अतः उनकी पूजा का विशेष महत्व है। प्राचीन समय में हल्दी को गणेश जी को मूर्ति स्वरूप पूजा जाता था। गणेश जी की उपस्थिति ओंमकार में मानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि गणेश जी के शुभागमन के साथ सारी बाधाएं खुद-ब-खुद खत्म हो जाती हैं। श्रीगणेश जी सभी का कल्याण करने वाले माने जाते हैं।

श्री गणेश पूजन की आसान विधि

श्रीगणेश पूजा अपने आपमें बहुत ही महत्वपूर्ण व कल्याणकारी है। चाहे वह किसी कार्य की सफलता के लिए हो या फिर चाहे किसी कामनापूर्ति स्त्री, पुत्र, पौत्र, धन, समृद्धि के लिए या फिर अचानक ही किसी संकट मे पड़े हुए दुखों के निवारण हेतु हो।

- अर्थात जब कभी किसी व्यक्ति को किसी अनिष्ट की आशंका हो या उसे नाना प्रकार के शारीरिक या आर्थिक कष्ट उठाने पड़ रहे हो तो उसे श्रद्धा एवं विश्वासपूर्वक किसी योग्य व विद्वान ब्राह्मण के सहयोग से श्रीगणपति प्रभु व शिव परिवार का व्रत, आराधना व पूजन करना चाहिए।

- पूजन से पहले नित्यादि क्रियाओं से निवृत्त होकर शुद्ध आसन में बैठकर सभी पूजन सामग्री को एकत्रित कर पुष्प, धूप, दीप, कपूर, रोली, मौली लाल, चंदन, मोदक आदि एकत्रित कर क्रमशः पूजा करें।
- भगवान श्रीगणेश को तुलसी दल व तुलसी पत्र नहीं चढ़ाना चाहिए। उन्हें, शुद्ध स्थान से चुनी हुई दुर्वा को धोकर ही चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश भगवान को मोदक (लड्डू) अधिक प्रिय होते हैं इसलिए उन्हें देशी घी से बने मोदक का प्रसाद भी चढ़ाना चाहिए।
- श्रीगणेश स्त्रोत से विशेष फल की प्राप्ति होती है।
- श्रीगणेश सहित प्रभु शिव व गौरी, नन्दी, कार्तिकेय सहित सम्पूर्ण शिव परिवार की पूजा षोड़षोपचार विधि से करना चाहिए।
- व्रत व पूजा के समय किसी प्रकार का क्रोध व गुस्सा न करें। यह हानिप्रद सिद्ध हो सकता है।
- श्रीगणेश का ध्यान करते हुए शुद्ध व सात्विक चित्त से प्रसन्न रहना चाहिए।
- शास्त्रानुसार श्रीगणेश की पार्थिव प्रतिमा बनाकर उसे प्राणप्रति?ष्ठित कर पूजन-अर्चन के बाद विसर्जित कर देने का आख्यान मिलता है। किन्तु भजन-कीर्तन आदि आयोजनों और सांस्कृतिक आयोजनों के कारण भक्त 1, 2, 3, 5, 7, 10 आदि दिनों तक पूजन अर्चन करते हुए प्रतिमा का विसर्जन करते हैं।
- किसी भी पूजा के उपरांत सभी आवाहित देवताओं की शास्त्रीय विधि से पूजा-अर्चना करने के बाद उनका विसर्जन किया जाता है, किन्तु श्री लक्ष्मी और श्रीगणेश का विसर्जन नहीं किया जाता है। इसलिए श्रीगणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन करें, किन्तु उन्हें अपने निवास स्थान में श्री लक्ष्मी जी सहित रहने के लिए निमंत्रित करें।
- पूजा के उपरांत अपराध क्षमा प्रार्थना करें, सभी अतिथि व भक्तों का यथा व्यवहार स्वागत करें।
- पूजा कराने वाले ब्राह्मण को संतुष्ट कर यथा विधि पारिश्रामिक (दान) आदि दें, उन्हें प्रणाम कर उनका आशीर्वाद प्राप्त कर दीर्घायु, आरोग्यता, सुख, समृद्धि, धन-ऐश्वर्य आदि को बढ़ाने के योग्य बनें।

भारतीय धर्म संस्कृति में किसी कार्य की सफलता हेतु पहले मंगलाचरण या फिर पूज्य देवों के वंदना की परंपरा रही है। किसी कार्य को सुचारू रूप से निर्विघ्नपूर्वक संपन्न करने हेतु सर्वप्रथम श्रीगणेश जी की वंदना व अर्चना का विधान है। इसीलिए सनातन धर्म में सर्वप्रथम श्रीगणेश की पूजा से ही किसी कार्य की शुरुआत होती है। जो भी भक्त भगवान गणेश का व्रत या पूजा करता है उसे श्रीगणेश प्रभु की कृपा और मनोवांछित फल की प्राप्ति अवश्य ही होती है।

श्री गणेश एक रूप अनेक

गणेश शब्द की व्युत्पत्ति हुई है गणानां जीवजातानां यः ईशः स्वामी सः गणेशः से। अर्थात,जो समस्त जीव जाति के ईश-स्वामी हैं वह गणेश हैं। इनकी पूजा से सभी विघ्न नष्ट होते हैं। लेकिन अन्य देवताओं की तरह गणेश जी के भी कई रूप हैं।

गणेश पुराण के क्रीड़ा खंड में युग-भेद से गणेश जी के चार रूपों की व्याख्या करके उनके चार भिन्न वाहन बताए गए हैं।

सतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है, वे दस भुजा वाले हैं और उनका नाम विनायक है।

त्रेता युग में वाहन मोर है, छः भुजाएं हैं और नाम मयूरेश्वर है।

द्वापर में वाहन चूहा (मूषक) है, भुजाएं चार हैं और नाम गजानन है।

कलयुग में दो भुजाएं हैं वाहन घोड़ा है और नाम धूम्रकेतु है।

इन चारों रूपों की उपासना विधि व लीला चरित्र का विवरण गणेश पुराण में प्राप्त होता है।

वर्तमान में गणेश जी का सर्वप्रसिद्ध वाहन मूषक(चूहा)माना जाता है। विभिन्न मंत्रों के ध्यान में इनके मूषक वाहन का ही संकेत पाया जाता है।

विशिष्ट वस्तुओं के पूजन भेद से गणेश जी के अनेक रूप प्रसिद्ध हैं जैसे हरिद्रा गणेश,दूर्वा गणेश,शमी गणेश,गोमेद गणेश आदि।

कामना भेद से भी इनके भिन्न रूपों की उपासना की जाती है जैसे संतान प्राप्ति हेतु संतान गणपति,विद्या प्राप्ति हेतु विद्या गणपति आदि।

सामान्य उपासक दैनिक उपासना में गणेश जी के प्रसिद्ध द्वादश नाम स्तोत्र,संकट नाशक स्तोत्र,गणपति अथर्वशीर्ष,गणेश कवच,शतनामस्तोत्र आदि का सुविधानुसार पाठ करके इनका आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

विशिष्ट उपासना के अंतर्गत गणपति अथर्वशीर्ष से इनका अभिषेक किया जाता है। गणेश पुराण एवं रुद्रयामल तंत्र में वर्णित सहस्र नामस्तोत्र की नामावली के द्वारा दूर्वा से इनका अर्चन किया जाता है। गणपति योग भी वैदिक पद्धति के द्वारा संपन्न कराया जाता है।

अलग-अलग होती है उपासना-

भगवान गणेश की उपासना अनेक प्रकार से होती है। गणेशमूर्ति के अलग-अलग प्रकार की अर्चना का विधान भी अलग-अलग होता है। दो से अठारह भुजा एवं एकमुखी से दशमुखी मूर्तियों का पूजन होता है और इनसे संबंधित मंत्र,कवच,यंत्र,स्त्रोत आदि का विधान तंत्र शास्त्र के मान्य ग्रंथों,मंत्र महार्णव,मंत्रमहोदधि,शारदा तिलक,तंत्र सार आदि में अंतर पाया जाता है। गणपति पूजन में मुख्यतः दूर्वा,शमी के पत्ते और मोदक (लड्डू)अर्पित किए जाते हैं।

हम आपसी सहमति से अलग हुए...
शाहरुख के डॉन 3 से बाहर होने पर फरहान ने अब दिया रिएक्शन

शाहरुख खान ने डॉन 3 से खुद को अलग कर लिया था। अब इस पर डायरेक्टर फरहान अख्तर का रिएक्शन सामने आया है। उन्होंने खुलासा किया कि वो और शाहरुख खान आपसी सहमति से अलग हुए हैं। किसी बात पर उनकी आपसी सहमति नहीं हो पाई। इसलिए वो प्रोजेक्ट से बाहर हो गए। बॉलीवुड एक्टर्स अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान के बाद एक्टर रणवीर सिंह हिट फ्रेंचाइजी की तीसरी किश्त में डॉन की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। डायरेक्टर फरहान अख्तर ने हाल ही में एक स्पेशल अनाउंसमेंट वीडियो शेयर किया था। डॉन 3 में शाहरुख खान के होने की खबरें थीं, लेकिन वो इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गए। अब फरहान ने कहा, हम आपसी सहमति से अलग हुए। फरहान ने आगे कहा, मैं किसी की जगह लेने की स्थिति में नहीं हूं। ये ऐसी चीजें हैं जिन पर हमने सालों से चर्चा की है, मैं कहानी को एक निश्चित दिशा में ले जाना चाहता था, किसी तरह हम आम सहमति नहीं बना सके। हम आपसी सहमति से यह जानते हुए अलग हुए कि ये बेहतरी के लिए ही है। तो यह वहीं है।

45 साल पहले आई थी पहली डॉन

पहली डॉन फिल्म साल 1978 में रिलीज हुई थी। इसमें अमिताभ बच्चन, जीनत अमान और प्राण थे। इसके बाद फरहान अख्तर ने फिल्म का रीमेक बनाया, जिसमें शाहरुख खान थे। डॉन 2 में भी शाहरुख थे और फरहान डायरेक्टर। अब इस फ्रेंचाइज की तीसरी मूवी आने वाली है।

निर्देशक आशुतोष गोवारिकर बनाएंगे
आदि शंकराचार्य पर आधारित महाकाव्य फिल्म शंकर

लगान, जोधा अकबर और पानीपत जैसी शानदार फिल्मों के लिए प्रसिद्ध निर्देशक आशुतोष गोवारिकर एक रोमांचक नई सिनेमाई यात्रा पर निकल रहे हैं। मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर में स्मारकीय स्टैच्यू ऑफ वननेस के अनावरण की भव्यता के बीच – प्रसिद्ध भारतीय वैदिक विद्वान, दार्शनिक और शिक्षक, आदि शंकराचार्य को श्रद्धांजलि देने वाली एक विस्मयकारी 108 फुट की प्रतिमा – आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास ने आदि शंकराचार्य के जीवन और ज्ञान को स्क्रीन पर लाने के लिए आशुतोष गोवारिकर के साथ अपने सहयोगात्मक प्रयास की गर्व से घोषणा की। मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री, शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आदि शंकराचार्य की शिक्षाओं, उनकी बौद्धिक शक्ति और सनातन धर्म के विविध पहलुओं को एकजुट करने के उनके अथक प्रयासों के गहन प्रभाव का पता लगाने का बिल्कुल सही समय है। और मुझे बेहद खुशी है कि हम इसके लिए फिल्म निर्माता आशुतोष गोवारिकर के साथ सहयोग कर रहे हैं। परियोजना के संदर्भ में, आशुतोष गोवारिकर ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, आदि शंकराचार्य भारतीय इतिहास में एक उल्लेखनीय व्यक्ति थे, और उनकी शिक्षाएं दुनिया भर के लोगों के साथ गूंजती रहती हैं। न्यास और एकात्म धाम के सहयोग से सिनेमाई कैनवास पर उनके जीवन और ज्ञान को उजागर करने का अवसर पाकर मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। लगान, जोधा अकबर और पानीपत जैसी शानदार फिल्मों के लिए प्रसिद्ध निर्देशक आशुतोष गोवारिकर एक रोमांचक नई सिनेमाई यात्रा पर निकल रहे हैं। शंकर शीर्षक वाली आगामी फिल्म समय के इतिहास के माध्यम से एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली यात्रा का वादा करती है, जो दर्शकों को भारत के सबसे गहन दार्शनिक दिग्गजों में से एक के जीवन में एक अनूठी अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। सावधानीपूर्वक शोध और ऐतिहासिक सटीकता के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से, आशुतोष गोवारिकर का लक्ष्य एक सिनेमा प्रस्तुतीकरण बनाना है जो दर्शकों का मनोरंजन, शिक्षा और साथ ही प्रेरित करेगा।

एल्विश यादव को अभी तक नहीं मिली बिग बॉस ओटीटी 2 की 25 लाख प्राइज मनी

यूट्यूबर एल्विश यादव को बिग बॉस से काफी पॉपुलैरिटी मिली है। वह बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 के विनर रहे थे। शो की ट्रॉफी जीतने के साथ ही उन्होंने 25 लाख का चेक मिला था। यूट्यूबर एल्विश यादव को बिग बॉस से काफी पॉपुलैरिटी मिली है। वह बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 के विनर रहे थे। शो की ट्रॉफी जीतने के साथ ही उन्होंने 25 लाख का चेक मिला था। हालांकि, हाल ही में एल्विश ने शहनाज गिल के शो देसी वाइब्स खुलासा किया कि उन्हें सलमान खान के शो वालों ने प्राइज मनी वाले 25 लाख रुपये नहीं दिए हैं। एक्टर की ये बात सुन शहनाज काफी हैरान रह गईं। हाल ही में शहनाज गिल के शो में पहुंचे एल्विश यादव ने बिग बॉस ओटीटी 2 के मेकर्स को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने खुलासा किया कि अभी तक उन्हें बिग बॉस ओटीटी 2 वालों ने प्राइज मनी के 25 लाख रुपये नहीं दिए हैं। एल्विश ने कहा, पहले मुझे लगता था कि ये नियम होता है कि बिग बॉस वाले वाइल्ड कार्ड एंट्री को विनर नहीं बनाते। जब मैं शो में आ रहा था तो मैंने 100 बार पूछा कि भाई, वोट मिलेंगे तो मैं जीत जाऊंगा न। मुझे डाउट था कि कहीं वोट आए और तो भी मैं न जीत पाया तो..। आगे फिर शहनाज गिल यूट्यूबर की कई मोबाइल फोन रखने पर टांग खिंचाई करती हैं और कहती हैं कि आप इतने सारे फोन रखते हैं तो अब अपना चौथा फोन कब खरीद रहे हैं। इस सवाल पर एल्विश यादव ने मजाक ही मजाक में बताया कि मेकर्स ने उन्हें अभी तक पैसे नहीं दिए हैं। वो कहते हैं–मैं अपना चौथा फोन तब खरीदूंगा जब बिग बॉस ओटीटी 2 की प्राइज मनी वाले 25 लाख रुपये मिल जाएंगे। एल्विश यादव के इस बयान पर शहनाज गिल शॉक्ड रह जाती हैं और कहती हैं कि क्या तुम्हें अभी तक पैसे नहीं मिले। ये तो गलत बात है।

सुनकर शॉक्ड हुईं शहनाज

कंगना ने की खालिस्तान की आलोचना

भारत और कनाडा के बीच बढ़ते राजनयिक तनाव के बीच, बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने शुक्रवार को खालिस्तानी आतंकवादी संगठन की आलोचना की और सिख समुदाय से अखंड भारत के समर्थन में आगे आने का आह्वान किया। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया के स्टोरीज सेक्शन में लिखा, सिख समुदाय को खुद को खालिस्तानियों से अलग कर लेना चाहिए और ज्यादा सिखों को अखंड भारत के समर्थन में आगे आना चाहिए। सिख समुदाय मेरा बहिष्कार करता है और पंजाब में मेरी फिल्मों का हिंसक विरोध करता है क्योंकि मैंने खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ बात की थी। मणिकर्णिका की एक्ट्रेस ने आगे कहा, खालिस्तानी आतंकवाद सिख समुदाय को भी बुरा दिखाता है। यह पूरे समुदाय की विश्वसनीयता और उनकी धारणा को बर्बाद कर देगा। पहले भी खालिस्तानियों ने पूरे सिख समुदाय को नुकसान पहुंचाया है। मैं पूरे सिख समुदाय से अनुरोध करती हूं कि वे धर्म के नाम पर खालिस्तानी आतंकवादियों से उत्तेजित या उकसावे में न आएं। जय हिन्द। अपने इंस्टाग्राम स्टेटस में, क्वीन अभिनेत्री ने लिखा, पंजाब का यही हाल है, जब मैंने खालिस्तानियों के खिलाफ बोला तो वे पूरे सिख समुदाय को समझाने में कामयाब रहे कि मैं पूरे समुदाय के खिलाफ हूं, आज भी मेरी फिल्में पंजाब में बैन हैं, उनको एक्साइट करके गुमराह करना सबसे आसान है।

शादी की अफवाह पर

साई पल्लवी ने तोड़ी चुप्पी

साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते दिनों साई की एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें वह गले में फूलों की माला पहने नजर आ रही थीं। तस्वीर के सामने आने के बाद से ही सोशल मीडिया पर अफवाह फैल गई की एक्ट्रेस ने साउथ के फिल्म डायरेक्टर से शादी कर ली है। हालांकि, अब साई ने खुद मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए शादी की खबरों को खारिज कर दिया है। साई ने बताया कि असल में वह तस्वीर उनकी नई फिल्म के मुहूर्त पूजा की थी। एक्ट्रेस ने कहा कि लोगों ने जानबूझकर गलत खबरें फैलाने के लिए इस फोटो को इस्तेमाल किया है। साई ने ट्विटर पर इन अफवाहों के लेकर करारा जवाब दिया। उन्होंने लिखा– ईमानदारी से कहूं तो मुझे अफवाहों की परवाह नहीं है। लेकिन जब इसमें परिवार वाले दोस्त शामिल होते हैं, तो मुझे बोलना पड़ता है। यह मेरी फिल्म के मुहूर्त पूजा के इवेंट की फोटो है, जिसे जानबूझकर क्रॉप किया गया। गलत इरादों से इसे यहां–वहां फैलाया जा रहा है।

10 दिन में 500 करोड़ कमा लेगी डंकी अगर...

सिनेमाई दुनिया के लिए ये कहना गलत नहीं होगा कि साल 2023 शाहरुख खान का रहा है। शाहरुख खान ने साल की शुरुआत फिल्म पठान से की और बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड बनाए। वहीं अब जवान से वो अपने ही बनाए रिकॉर्ड तोड़ते नजर आए। जवान जल्दी ही घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बन सकती है। पठान और जवान के बाद अब सभी की नजरें डंकी पर टिकी हैं और इसकी रिलीज के साथ ही शाहरुख खान कई और रिकॉर्ड्स बना सकते हैं। वहीं डंकी भी 10 दिनों में ही 500 करोड़ रुपये कमा सकती है अगर.... सैकनिल्क एंटरटेनमेंट ने अपने ट्वीट में लिखा, शाहरुख खान पहले इंडियन एक्टर बन गए हैं, जिनकी फिल्मों ने एक साल में 2000 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया है। इसके बाद पठान (1055 करोड़ रुपये से अधिक) और जवान (16 दिनों में 945 करोड़ रुपये से अधिक) का कलेक्शन बताया गया है।

एक साल में 2700 करोड़ कमाई...

बता दें कि डंकी के पास 2023 में सिर्फ 10 दिन का ही वक्त होगा। क्योंकि उसके बाद 2024 की शुरुआत हो जाएगी। ऐसे में इसके बाद एक दूसरे ट्वीट में बताया गया है कि शुरुआती 10 दिनों में ही डंकी के 500 करोड़ से अधिक कमाने की उम्मीद है अगर फिल्म को अच्छी माउथ पब्लिसिटी मिलती है तो..., ऐसे में सिर्फ एक साल में शाहरुख खान की वर्ल्डवाइड फिल्मों का कलेक्शन 2700 करोड़ रुपये के करीब हो सकता है।

राजकुमार हिरानी का निर्देशन

संजू, 3 इडियट्स, पीके और मुन्ना भाई जैसी सफल फिल्मों का डायरेक्शन कर चुके राजकुमार हिरानी के हाथों में डंकी की कमान है। फिल्म में शाहरुख खान की जोड़ी तापसी पन्नू के साथ बनेगी। अभी तक की जानकारी के मुताबिक फिल्म इस साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी। कहा जा रहा था कि फिल्म अगले साल टक सकती है, लेकिन शाहरुख ने जवान की प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ कर दिया था कि फिल्म क्रिसमस पर ही रिलीज होगी। फिल्म में शाहरुख और तापसी के अलावा दीया मिर्जा, बोमन ईरानी, धर्मेंद्र, सतीश शाह और परीक्षित सहानी भी अहम किरदारों में दिखेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म थिएटर्स के बाद जियो सिनेमा ओटीटी पर फिल्म दस्तक देगी।

ताहिर की वेब सीरीज सुल्तान ऑफ दिल्ली का ट्रेलर जारी

मौनी रॉय और ताहिर राज भसीन की अपकमिंग वेब सीरीज 'सुल्तान ऑफ दिल्ली' का ट्रेलर सामने आ गया है। इसे शुक्रवार (22 सितंबर) को रिलीज कर दिया गया। फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। ट्रेलर में जहां ताहिर की जबरदस्त एक्टिंग देखने को मिल रही है, वहीं मौनी की अदाएं और उनका ग्लैमरस अवतार भी चर्चाओं में है। सीरीज में 1960 के दशक की दिल्ली को बखूबी दर्शाया गया है। ताहिर का किरदार दिल्ली पर शासन करना चाहता है। उसका दावा है कि वो बंटवारे के बाद सरहद पार से आया है। उसकी लड़ाई एक राजा के परिवार से है। इसमें गैंगस्टर्स का दौर भी देखने को मिलेगा। साथ ही हॉटनेस और बोल्डनेस का भी तड़का लगाया गया है। संवाद और अभिनय के मामले में भी ये काफी बेहतरीन लग रही है। गौरतलब है कि सीरीज के सभी एपिसोड 13 अक्टूबर से स्ट्रीम किए जाएंगे। इसे डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर देखा जा सकता है। सीरीज में अनुप्रिया गोयनका, विनय पाठक, हरलीन सेठी, निशांत दहिया और मेहरीन पीरजादा भी अहम रोल में हैं। इस सीरीज का निर्माण रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। वेब सीरीज को हिन्दी सिनेमा में कच्चे धागे, वन्स अपॉन ए टाइम इन मुम्बई, डर्टी पिक्चर और टैक्सी नम्बर 9211 देने वाले मिलन लूथरिया ने निर्देशित किया है। ट्रेलर सीरीज को देखने की उत्सुकता जगाने में सफल है।

12 साल बाद अपने मूल मंच सोनी टीवी पर लौटा झलक दिखला जा
अरशद वारसी संभालेंगे जज की कुर्सी!

12 सालों बाद पॉपुलर सेलिब्रिटी डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा अपने मूल मंच सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर लौटने के लिए तैयार है। बता दें, 2006 में शुरू हुए इस शो की शुरुआत सोनी टीवी पर हुई थी, लेकिन साल 2012 के बाद वह कलर्स चैनल पर चला गया था। खास बात ये है कि शो के 11वां सीजन के साथ बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी टेलीविजन पर अपनी वापसी कर सकते हैं। शो से जुड़े सूत्र बताते हैं, इस साल मेकर्स शो में काफी बदलाव ला रहे हैं। सिर्फ फॉर्मेट ही नहीं बल्कि जज पैनल में भी काफी बदलाव लाने की प्लानिंग हो रही है। पैनल पर बैठे 3 जज में इंडस्ट्री के जाने माने बॉलीवुड एक्टर, कोरिओग्राफर और फिटनेस आइकन शामिल होंगे। इनमें से अरशद वारसी का नाम लिस्ट में सबसे टॉप पर है। फिलहाल अभिनेता से मेकर्स की बातचीत चल रही है और अगर सब सही रहा तो इस महीने के अंत तक कॉन्ट्रैक्ट साइन कर दिया जाएगा। शुरूआती प्लानिंग के मुताबिक, शो इस साल के अंत तक प्रीमियर होगा। अरशद के टेलीविजन करियर की बात की जाए तो उन्होंने डांस शो रज्जमाताज में बतौर होस्ट शुरुआत की थी। 2003 से 2004 तक टीवी धारावाहिक करिश्मा – द मिरेकल्स ऑफ डेस्टिनी में अभिनेत्री करिश्मा कपूर के साथ अभिनय किया। 2006 में चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 1 को भी होस्ट किया था।2010 में उन्होंने टीवी शो ईशान सपनों को आवाज दे में एक छोटा सा कैमियो किया था। इसी साल वे रियलिटी शो जरा नचके दिखा में जज की कमान संभालते हुए नजर आए थे। बता दें, झलक दिखला जा के पिछले सीजन में माधुरी दीक्षित, नोरा फतेही और टेरेंस लुईस ने जज की कुर्सी संभाली थी।

मोबाइल लूट का किया विरोध तो बदमाश ने बीच सड़क पर बेल्ट से कर दी पिटाई, राहगीरों की जैसे ही पड़ी नजर...

नई दिल्ली। शास्त्री पार्क इलाके में मोबाइल लूट का विरोध करना एक युवक को भारी पड़ गया। बदमाश ने बीच सड़क युवक पर ताबड़तोड़ बेल्ट बरसा दी। युवक के अधमरा होने पर बदमाश उसका मोबाइल लूटकर ले जाने लगा। राहगीरों की जैसे ही नजर पड़ी, उन्होंने बदमाश को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। घायल हाशिम की शिकायत पर शास्त्री पार्क थाना पुलिस ने लूट समेत कई धाराओं में प्राथमिकी की है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान अनस के रूप में हुई।

ऐसे दिया वारदात को अंजाम

हाशिम अपने परिवार के साथ उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में रहते हैं। वह शास्त्री पार्क में रह रही अपनी बुआ के घर मिलने आए हुए थे। वह मछली मार्केट के पास एक दुकान से बीड़ी लेने गए थे, उसी दौरान एक बदमाश आया और उनसे मोबाइल लूट लिया। पीड़ित ने विरोध किया तो बदमाश ने बेल्ट से बीच सड़क पर उसकी पिटाई कर दी।

'आस्था और धर्म के मामलों से प्रभावित नहीं हो सकता जीवनसाथी चुनने का अधिकार', दिल्ली हाईकोर्ट ने क्यों की ये टिप्पणी?

नई दिल्ली। एक नव-विवाहित युगल को सुरक्षा प्रदान करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति का जीवन साथी चुनने का अधिकार आस्था और धर्म के मामलों से प्रभावित नहीं हो सकता है और विवाह करने का अधिकार मानवीय स्वतंत्रता का मामला है। अदालत ने कहा कि जब दो वयस्कों की सहमति शामिल हो तब सरकार, समाज यहां तक की माता-पिता को उनकी पसंद को सीमित करने का अधिकार नहीं है।

संविधान का भी अदालत ने किया उल्लेख

अदालत ने कहा कि जब भारत का संविधान प्रत्येक व्यक्ति को किसी भी धर्म को स्वतंत्र रूप से मानने और प्रचार करने का अधिकार देता है, तो यह विवाह के मामलों में इन पहलुओं के लिए प्रत्येक व्यक्ति को स्वायत्तता की भी गारंटी देता है। उक्त टिप्पणी करते हुए अदालत ने युगल को सुरक्षा प्रदान की। याचिका मे युवती ने आरोप लगाया था कि उसके परिवार के सदस्य उसे धमकियां दे रहे हैं। दोनों 31 जुलाई को विशेष विवाह अधिनियम के तहत शादी की थी।

अज्ञात वाहन ने युवक को मारी टक्कर, मौत; जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली। । दिल्ली के नंद नगरी इलाके से हिट एंड रन का मामला सामने आया है, जहां अज्ञात वाहन चालक युवक को टक्कर मारकर फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि नंद नगरी थाना पुलिस को आईटीआई-नंद नगरी के सामने वाली सड़क के सामने 25 से 27 वर्षीय एक युवक का शव होने की सूचना मिली थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर देखा तो यह मामला हिट एंड रन का मालूम होता है। यह मामला रविवार सुबह पौने छह बजे का है।

युवक की नहीं हुई पहचानः पुलिस

पुलिस ने आगे बताया कि युवक को हिट करने वाले अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर चालक और वाहन की पहचान की जा रही है। मौके पर कोई गवाह नहीं मिला है। वहीं, अभी युवक की पहचान नहीं की जा सकी है। पुलिस ने शव को जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है और जांच शुरू कर दी है।

सीएम बंगला मरम्मत मामला: PWD के अधिकारियों पर जल्द हो सकती है कार्रवाई, NCCSA की बैठक में पास होगा प्रस्ताव

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास में निर्माण मामले में कथित अनियमितताओं को लेकर लोक निर्माण विभाग के सात अभियंताओं पर जल्द गाज गिर सकती है। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा इस मामले में अभियंताओं की याचिका का निपटारा कर दिए जाने के बाद अब इनके खिलाफ कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है।दिल्ली सरकार के सूत्रों की मानें तो अब जल्द ही यह मामला राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण (एनसीसीएसए) की बैठक में आ सकता है।

कार्रवाई की योजना के अनुसार, एनसीसीएसए की बैठक में यह मामला लाकर इस बारे में प्रस्ताव पास किया जाएगा। जिसे एलजी के पास अनुमति के लिए भेजा जाएगा। एलजी अनुमति देते हैं तो इसे बगैर देर किए केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा। ये सभी अभियंता केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के हैं ऐसे में एनसीसीएसए के की सिफारिश पर सीपीडब्ल्यूडी कार्रवाई करेगा।

जानकारों का यह भी कहना है कि अगर एनसीसीएसए की बैठक बुलाने में समय लगता है तो दिल्ली सरकार अदालती हस्तक्षेप हट जाने की जानकारी भी केंद्रीय लोक निर्माण विभाग भेज सकती है और उनसे कार्रवाई के लिए आग्रह कर सकती है।

ज्यादातर अधिकारियों पर लगे हैं आरोप

इस मामले में दिल्ली सरकार

का सतर्कता विभाग सीपीडब्ल्यूडी को पहले ही रिपोर्ट भेजी जा चुकी है, जिसमें अधिकतर अभियंताओं पर जांच में अनियमितताओं के कई कई आरोप लगाए गए हैं। दिल्ली सरकार के जुड़े एक अधिकारी कहते हैं कि अब यह बात तो स्पष्ट हो चुका है कि निर्माण मामले में अनियमितता हुई है इसलिए कार्रवाई न होने का सवाल ही नहीं है।मगर अदालत के चलते कार्रवाई रुक गई थी जो अब आगे बढ़ेगी।इसी के चलते एनसीसीएसए की पिछली बैठक में एजेंडा में होने के बाद भी इस मुद्दे पर चर्चा नहीं हो सकी थी।

अभियंता ने सतर्कता विभाग को नहीं दिया जवाब

बता दें कि दिल्ली सरकार के सतर्कता विभाग ने मुख्यमंत्री आवास में हुए निर्माण (रिनोवेशन) मामले में कथित अनियमितताओं के मामले में गत 19 जून को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सात अभियंताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

जवाब के लिए 15 दिन का समय दिया गया था जो बुधवार को पूरा हो गया। मगर इस मामले में किसी भी अभियंता ने सतर्कता विभाग को जवाब नहीं दिया है।जिन अभियंताओं को नोटिस दिया गया है, उनमें उस समय के प्रधान मुख्य अभियंता अशोक कुमार राजदेव, मुख्य अभियंता पीके परमार, प्रधान मुख्य अभियंता रहे एके आहुजा (अब सेवानिवृत्त), अधीक्षण अभियंता अभिषेक राज, अधिशासी अभियंता विनय चौधरी व शिबनाथ धारा व सहायक अभियंता रजतकांत के नाम शामिल हैं।

दिल्ली में डेंगू के साथ-साथ फैल रहा है स्वाइन फ्लू, सामने आए 67 मामले

नई दिल्ली। राजधानी में इन दिनों डेंगू के साथ-साथ स्वाइन फ्लू का संक्रमण भी फैला हुआ है। राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले माह दिल्ली में स्वाइन फ्लू के 36 मामले आए। इस वजह से पिछले माह तक दिल्ली में स्वाइन फ्लू के कुल 67 मामले आ चुके हैं।

डॉक्टरों के अनुसार, अस्पतालों में अब भी स्वाइन फ्लू के मामले देखे जा रहे हैं। इसके अलावा इन्फ्लूएंजा ए के एच3एन2 वायरस के संक्रमण से पीड़ित मरीज भी पहुंच रहे हैं। डॉक्टर बताते हैं कि एच3एन2 के मरीज अधिक देखे जा रहे हैं। यह स्वाइन फ्लू (एच1एन1) की तुलना में कम खतरनाक है। दोनों के संक्रमण में एक जैसे लक्षण होते हैं। सामान्य तौर पर फ्लू से संक्रमित लोगों को खांसी, जुकाम, गले में दर्द, 102 से 103 डिग्री फारेनहाइट तक बुखार व सांस इत्यादि की परेशानी होती है।

लेकिन स्वाइन फ्लू में गंभीर बीमारी होने की आशंका अधिक रहती है और सांस फूलने की परेशानी अधिक हो सकती है। इस वजह से लोगों को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। खांसी, जुकाम, गले में दर्द और तेज

बुखार के साथ सांस लेने में परेशानी हो तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करना चाहिए।

बिना डॉक्टर की सलाह के न ले दवा

डॉक्टर के परामर्श के बगैर दुकान से दवा लेकर खुद से इलाज सेहत के लिए महंगा पड़ सकता है। फ्लू के संक्रमण से बचाव के लिए मेट्रो व भीड़ वाली जगहों पर मास्क का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा हाथ को नियमित रूप से धोना चाहिए। फ्लू से बचाव के लिए टीका भी उपलब्ध है। इसका टीका हर वर्ष लेना होता है। सर्दी के मौसम में फ्लू होने का खतरा अधिक रहता है। इस वजह से सर्दियों में इसके मामले अधिक होते हैं। लिहाजा फ्लू से बचाव के लिए लोग अभी टीका ले सकते हैं।

डूसू चुनाव में एबीवीपी ने अध्यक्ष सहित तीन पदों पर किया कब्जा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव में शनिवार को अध्यक्ष सहित तीन पदों पर अपना परचम फहराया, जबकि एक पद पर नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन (एनएसयूआई) ने बाजी मारी।

गौरतलब है कि कोरोना वायरस की वजह से तीन साल बाद डीयू में छात्र संघ चुनाव हुए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने डूसू चुनाव में एबीवीपी की जीत पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷ दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनाव में एबीवीपी को मिली प्रचंड जीत पर परिषद् के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई। यह जीत राष्ट्रहित को सर्वप्रथम मानने वाली विचारधारा में युवा पीढ़ी के विश्वास को दर्शाती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि परिषद् के कार्यकर्ता युवाओं में स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों और राष्ट्रवाद की भावना को जागृत रखने के लिए निरंतर संकल्पित भाव से कार्य करते रहेंगे। को लेकर ट्वीट किया। उन्होंने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी।'

श्री नड्डा ने एक्स पोस्ट में कहा, 'स्वामी विवेकानन्द के

आदर्शों से प्रेरित होकर एबीवीपी ने हमेशा हमारे युवाओं के दिलों में राष्ट्रवाद और निस्वार्थ सेवा की लौ जलाई है।' डूसू चुनाव में अध्यक्ष पद एबवीपी के तुषार डेढ़ा ने जीत दर्ज की। डेढ़ा को 23 हजार 460 मत मिले हैं, जबकि दूसरे पद पर रहे एनएसयूआई हितेश गुलिया को 20,345 वोट मिले हैं। वहीं उपाध्य पद पर एनएसयूआई के अभि दहिया जीते हैं। उन्हें 22331 वोट मिले हैं, जबकि दूसरे नंबर पर रहे एबीवीपी सुशांत धनखड़ को 20502 वोट मिले हैं। सचिव पद पर एबीवीपी की अर्पिता ने जीत कर रही हैं। उन्हें 24534 वोट मिले, जबकि दूसरे नंबर रहे एनएसयूआई की यक्षणा शर्मा को 11597 वोट मिले हैं। वहीं सह सचिव पद पर एबीवीपी के सचिन बैंसला ने जीत दर्ज की है। उन्हें 24955 वोट मिले, जबकि दूसरे नंबर पर रहे एनएसयूआई के शुभम कुमार को 14960 वोट मिले हैं।

असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करने के सवाल पर बचते दिखे रमेश बिधूड़ी, बोले- मैं इसपर कुछ नहीं कहना चाहता

नई दिल्ली। लोकसभा में बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ की गई टिप्पणी के बारे में जब मीडिया ने भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी से सवाल किया तो वह इससे बचते नजर आए। उन्होंने कहा कि स्पीकर उस पर गौर कर रहे हैं, मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता।

चंद्रयान -3 की सफलता पर रमेश बिधूड़ी बोल रहे थे। इसी बीच बसपा सांसद दानिश अली ने टिप्पणी की। जिसके बाद भड़के भाजपा सांसद ने बसपा सांसद के खिलाफ आपत्तिजनक और असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल किया।

भाजपा ने बिधूड़ी को जारी किया नोटिस

दक्षिणी दिल्ली से सांसद रमेश बिधूड़ी ने संसद में बहस के दौरान

बसपा सांसद दानिश अली पर अभद्र टिप्पणियां कर दीं। इससे पूरा विपक्ष केंद्र पर हमलावर हो उठा। बिधूड़ी पर तत्काल कड़ी कार्रवाई करने और उनसे उनकी अभद्र टिप्पणियों के लिए क्षमा मांगने की बात कही गई। अपने एक सांसद के आपत्तिजनक बयान के बाद भाजपा भी बैकफुट पर दिखाई पड़ रही थी। पार्टी ने नोटिस जारी कर बिधूड़ी से उनके बयान पर सफाई मांगी और कहा कि उनकी इस अभद्र टिप्पणी के लिए उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए।

मोदी की लोगों से देश की विविधता का दर्शन करने की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लोगों से भारत की विविधता का दर्शन करने की अपील करते हुये कहा कि इससे न सिर्फ लोग गौरवशाली इतिहास से परिचित होंगे बल्कि स्थानीय लोगों की आय बढ़ाने का भी इहम माध्यम बनेंगे। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 105 वीं कड़ी में राष्ट्र को संबोधित करते हुये कहा कि कर्नाटक के होयसड़ा मंदिरों को यूनेस्को ने विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है, उन्हें,13वीं शताब्दी के बेहतरीन वास्तुशिल्प के लिए जाना जाता है। इन मंदिरों को यूनेस्को मान्यता मिलना, मंदिर निर्माण की भारतीय परंपरा का भी सम्मान है। भारत में अब विश्व धरोहर संपदा की कुल संख्या 42 हो गई है। भारत का प्रयास है कि हमारे ज्यादा-से-ज्यादा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जगहों को यूनेस्को से मान्यता मिले।

उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की बैठक मंगलवार को अमृतसर में

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को पंजाब के अमृतसर में उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 31 वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

उत्तरी क्षेत्रीय परिषद में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश राज्य तथा केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और चंडीगढ़ शामिल हैं। बैठक का आयोजन गृह मंत्रालय के अधीन अंतर राज्य परिषद सचिवालाय द्वारा पंजाब सरकार के सहयोग से किया जा रहा है। उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की 31 वीं बैठक में सदस्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ प्रत्येक राज्य से दो वरिष्ठ मंत्री, केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल अथवा प्रशासक भाग लेंगे। बैठक में राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी तथा केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे।

राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 15-22 के तहत वर्ष 1957 में पांच (5) क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री इन पांचों क्षेत्रीय परिषदों के अध्यक्ष हैं और क्षेत्रीय परिषद में शामिल राज्यों के मुख्यमंत्री इसके सदस्य हैं, जिनमे से एक मुख्यमंत्री (हर साल बारी-बारी से) उपाध्यक्ष होते हैं। राज्यपाल द्वारा प्रत्येक राज्य से दो और मंत्रियों को परिषद के सदस्य के रूप में नामित किया जाता है।

प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद ने मुख्य सचिवों के स्तर पर एक स्थायी समिति का भी गठन किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि सशक्त राज्य ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण करते हैं। क्षेत्रीय परिषदें दो या अधिक राज्यों अथवा केंद्र और राज्यों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर नियमित संवाद और चर्चा के लिए एक व्यवस्थित तंत्र के जरिए सहयोग बढ़ाने का मंच प्रदान करती हैं।

क्षेत्रीय परिषदों की भूमिका सलाहकारी है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ये परिषदें विभिन्न क्षेत्रों में आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण साबित हुई हैं। सभी राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के सहयोग से जून, 2014 से अब तक पिछले नौ वर्षों में विभिन्न क्षेत्रीय परिषदों की कुल 53 बैठकें हुई है जिसमें स्थायी समितियों की 29 बैठकें और क्षेत्रीय परिषदों की 24 बैठकें शामिल है।

श्री शाह ने राज्यों को सशक्त बनाने और नीतिगत ढांचे में केंद्र तथा राज्यों के बीच बेहतर समझ को बढ़ावा देने के लिए सहकारी संघवाद के दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया है। साथ ही उन्होंने विवादों के समाधान और सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने के लिए क्षेत्रीय परिषद के मंच का उपयोग करने पर भी जोर दिया है।

क्षेत्रीय परिषदें व्यापक मुद्दों पर चर्चा करती हैं जिनमें भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड, पंजाब विश्वविद्यालय में संबंधन , प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण कार्य, नहर परियोजना एवं जल बंटवारा, राज्य- पुनर्गठन से सम्बंधित मुद्दे, बुनियादी ढांचे के विकास में भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण और वन सम्बन्धी अनुमति,उड़ान योजना के तहत क्षेत्रीय कनेक्टिविटी तथा क्षेत्रीय स्तर के सामान्य हित के अन्य मुद्दें शामिल हैं।

क्षेत्रीय परिषदों की प्रत्येक बैठक में राष्ट्रीय महत्व के अनेक मुद्दों पर भी चर्चा की जा रही है। इनमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ दुष्कर्म के मामलों की त्वरित जांच और इसके शीघ्र निपटान के लिए फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों का कार्यान्वयन,प्रत्येक गांव के पांच किमी के भीतर बैंकों, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक शाखाओं की सुविधा,देश में दो लाख नई प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का गठन, पोषण अभियान के माध्यम से बच्चों में कुपोषण को दूर करना, स्कूली बच्चों की पढ़ाई छोड़ने की दर कम करना, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में सरकारी अस्पतालों की भागीदारी और राष्ट्रीय स्तर के सामान्य हित के अन्य मुद्दें शामिल है।

स्वच्छता अभियान से जुड़ने का आह्वान किया मोदी ने

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से आगामी एक अक्टूबर को स्वच्छता अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा है कि यह महात्मा गांधी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

श्री मोदी ने रविवार को आकाशवाणी पर अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि जी- 20 शिखर सम्मेलन के दौरान विश्व नेता बापू को श्रद्धासुमन अर्पित करने एक साथ राजघाट पहुंचे। यह इस बात का एक बड़ा प्रमाण है कि दुनिया-भर में बापू के विचार आज भी कितने प्रासांगिक है।

उन्होंने कहा कि गांधी जयंती को लेकर पूरे देश में स्वच्छता से सम्बंधित बहुत सारे कार्यक्रमों की

योजना तैयार की गई है। केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' काफी जोर-शोर से जारी है। इंडियन स्वच्छता लीग में भी काफी अच्छी भागीदारी देखी जा रही है। श्री मोदी ने कहा, 'आज मैं 'मन की बात' के माध्यम से सभी देशवासियों से एक आग्रह भी करना चाहता हूं - एक अक्टूबर यानि रविवार को सुबह 10 बजे स्वच्छता पर एक बड़ा आयोजन होने जा रहा है। आप भी अपना वक्त निकालकर स्वच्छता के जुड़े इस अभियान में अपना हाथ बटाएं। आप अपनी गली, आस-पड़ोस, पार्क, नदी, सरोवर या फिर दल किसी दूसरे सार्वजनिक स्थल पर इस स्वच्छता अभियान से जुड़ सकते हैं और जहाँ-जहाँ अमृत सरोवर बने हैं वहाँ तो स्वच्छता अवश्य करनी है। स्वच्छता की ये कार्यांजलि ही गांधी जी को सच्ची श्रद्दांजलि होगी।÷महत्वपूर्ण कदम होंगी।

चंद्रबाबू नायडू ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में अपने खिलाफ दर्ज कथित कौशल विकास घोटाले से जुड़ा एक मुकदमा रद्द करने की गुहार लगाते हुए शनिवार को उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

विधानसभा में विपक्ष के नेता और तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नायडू ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के 22 सितंबर के उस आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत के समक्ष विशेष अनुमति याचिका दायर की है, जिसमें 9 दिसंबर 2021 को दर्ज एक प्राथमिकी और उनकी न्यायिक हिरासत के आदेश को रद्द करने से इनकार कर दिया गया था। उन्होंने अपने खिलाफ लगे आरोपों को निराधार बताते हुए याचिका में आरोप लगाया है कि राजनीतिक द्वेष कारण बदले की भावना से उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है तथा एक सुनियोजित साजिश के साथ राज्य की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी को सत्ता की दौड़ से बाहर करने के उद्देश्य से प्राथमिक की दर्ज की थी। याचिका में दलील दी गई है कि याचिकाकर्ता वर्तमान में विपक्ष के नेता, तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने 14 साल से अधिक समय तक राज्य की सेवा की है। ऐसे व्यक्ति को अवैध रूप से एक एफआईआर और जांच के लिए हिरासत में रखा गया है।

याचिका में कहा गया है, राजनीतिक प्रतिशोध की हद 11 सितंबर 2023 को पुलिस हिरासत देने के लिए देर से दिए गए आवेदन से जाहिर होता है, जिसे सभी विरोधों को कुचलने के लिए लक्षित किया जा रहा है। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता के खिलाफ आरोप (हालांकि निराधार) मुख्यमंत्री के रूप में उनके आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में लिए गए निर्णयों से संबंधित है।

खबर दृष्टिकोण स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210